RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 22 ■ अंक - 25 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 17-08-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 एजेंडा मोदी को बचाना है, महिलाओं का आरक्षण नहीं' : मोदी

6 मेघ, माटी और मन0 का उत्सव : सावन

7 रानी मुखर्जी को मिला मानद डॉक्टरेट की उपाधि

फर्स्ट टेक

हंगरी में बस दुर्घटना में 12 लोगों की मौत

बुडापेस्ट/एपी। हंगरी में रविवार तड़के राजमार्ग पर जा रही एक यात्री बस सड़क से फिसल कर खाई में गिर गई जिससे 12 लोगों की मौत हो गई तथा कई अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पोलैंड के पर्यटकों के एक समूह को ले जा रही बस रविवार देर रात करीब एक बजे हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट से लगभग 140 किलोमीटर पूर्व में एम3 मोटरवे पर मेजोकेरेज्त्स शहर के पास पूर्व की ओर जाने वाली सड़क पर पलट गई। पुलिस ने एक बयान में कहा कि प्रारंभिक जांच के अनुसार, हादसा संभवत: चालक को नींद आ जाने के कारण हुआ। उसने बताया कि चालक को हिरासत में ले लिया गया है। हंगरी के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन निदेशालय ने बताया कि हादसे के समय बस में 57 यात्री और दो चालक सवार थे। बस पलटने के बाद कई यात्री उसके नीचे फंस गए थे।

बेल्जियम के सबसे बड़े प्राकृतिक रिज़र्व में लगी भीषण आग

बेलेन/एपी। बेल्जियम के सबसे बड़े वन क्षेत्र 'हाई फेंस' में रविवार को लगी भीषण आग के कारण 27 वर्ग किलोमीटर से अधिक का इलाका जलकर खाक हो गया। देश के हालिया इतिहास की इस सबसे भयानक वनाग्नि के चलते आसपास के इलाकों से सैकड़ों लोगों को अपना घर छोड़कर जाने के लिए मजबूर होना पड़ा है। जर्मनी की सीमा के करीब स्थित लीज प्रांत के वाइम्स और बूटगेनबाख नगरपालिकाओं में हवा का रुख बदलने और घना धुआं फैलने के बाद लगभग 600 निवासियों को 15 अगस्त को ही जगह खाली करने का निर्देश दिया गया था। अधिकारियों ने पर्यटकों को भी इलाका छोड़ने की सलाह दी है, जबकि विस्थापितों को ठहराने के लिए पास में एक व्यायामशाला को अस्थायी शिविर के रूप में खोला गया है।

इंडोनेशिया में भूकंप से 51 लोगों की मौत

रुतेंग/एपी। पूर्वी इंडोनेशिया में एक दिन पहले आए 7.7 तीव्रता के भूकंप में मृतकों की संख्या रविवार को चार और शव बरामद होने के बाद बढ़कर 51 हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। भूकंप के कारण हजारों लोग विस्थापित हुए हैं। अमेरिका भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, शक्तिशाली भूकंप स्थानीय समयानुसार सुबह 5:58 बजे पूर्वी इंडोनेशिया के फ्लोरेस क्षेत्र में आया। भूकंप का केंद्र 10 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। अमेरिका भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने बताया कि सुनामी की चेतावनी जारी होने के बाद लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए हालांकि बाद में यह चेतावनी वापस ले ली गई।

17-07-2026 सूर्यास्त 6:41 बजे | 18-08-2026 सूर्योदय 6:09 बजे

BSE	NSE
78,009.25	24,366.00
(-70.71)	(-29.85)

सोना	चांदी
15,747 रु.	240,915 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

समझना जरूरी

होगी बरबादी सबकी,
नाकाम जिधर जाएगा।
हुए बदजुबां नेता तो,
अंजाम किधर जाएगा।
हवा जिधर की भी होगी,
तूफान उधर जाएगा।
सही व्यक्ति को चुन लेंगे तो,
देष सुधर जाएगा।।

आज से शुरू होगी ब्रिक्स पर्यावरण कार्य समूह की बैठक

नई दिल्ली/भाषा। भारत की मेजबानी में सोमवार को ब्रिक्स पर्यावरण कार्यसमूह (ईडब्ल्यूजी)और जलवायु परिवर्तन व सतत विकास पर संपर्क समूह की अधिकारी स्तर की बैठक होगी जबकि मंगलवार को सदस्य देशों की 12वीं मंत्री स्तरीय बैठक होगी। केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की ओर से रविवार को जारी एक बयान में कहा गया कि यह कार्यक्रम यहां भारत मंडपम में 'भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता 2026' की मुख्य थीम, 'लचीलेपन, नवोन्मेष, सहयोग और निरंतरता के लिए निर्माण' के तहत आयोजित किया जाएगा। ब्रिक्स ईडब्ल्यूजी की स्थापना 2015 में मॉस्को में ब्रिक्स पर्यावरण मंत्रियों की पहली बैठक के दौरान की गई थी। इसकी परिकल्पना संगठन के एक ऐसे मंच के तौर पर की गई, जहां सदस्य देश पर्यावरण से जुड़ी बुनियादी प्राथमिकताओं पर ध्यान दे सकें, अपने अनुभव साझा कर सकें, बेहतरीन तौर-तरीकों का आदान-प्रदान कर सकें और सामूहिक कार्रवाई को मजबूत बना सकें।

जलवायु परिवर्तन और सतत विकास पर संपर्क समूह की स्थापना 2024 में ब्रिक्स सदस्य देशों के बीच जलवायु परिवर्तन के मुद्दों पर सहयोग के लिए एक तंत्र के रूप में की गई थी। बयान में कहा गया है कि ब्रिक्स पर्यावरण मंत्रियों की बैठक में सदस्य देशों के मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी, नीति-निर्माता और विशेषज्ञ एक साथ आएंगे ताकि वे अहम मुद्दों पर चर्चा कर सकें, आम सहमति बना सकें और पर्यावरण के क्षेत्र में सहयोग को मजबूत कर सकें। इसमें कहा गया है कि वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक में एक उद्घाटन सत्र और ब्रिक्स ईब्ल्यूजी तथा जलवायु परिवर्तन और सतत विकास पर संपर्क समूह की प्राथमिकताओं पर चर्चा शामिल होगी। मंत्रालय ने कहा कि बैठक की प्राथमिकताओं में सतत जीवन-शैली को बढ़ावा देना, पौधारोपण, जंगल की आग का प्रबंधन और आपदाओं का सामना करने की क्षमता विकसित करना शामिल है। बयान में कहा गया है कि ब्रिक्स पर्यावरण मंत्रियों की बैठक के दौरान परिणामी दस्तावेज़ और विषयगत चर्चाओं पर बातचीत की जाएगी। ये चर्चाएं पर्यावरण सहयोग और सतत विकास के प्रति ब्रिक्स सदस्य देशों की सामूहिक प्रतिबद्धता की जानकारी देंगी। अध्यक्षता के हिस्से के रूप में, भारत ने ब्रिक्स पर्यावरण कार्य समूह के तहत केंद्रित गतिविधियों के लिए चार प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान की है।

वाजपेयी 'अजातशत्रु' थे, सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को 'अजातशत्रु' बताते हुए रविवार को कहा कि उनका कोई दुश्मन नहीं था और उन्होंने (वाजपेयी) अपने सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया। शाह ने कहा कि वाजपेयी विपक्ष में रहने के दौरान भी और सत्ता में रहते हुए भी अपनी विचारधारा को लेकर प्रतिबद्ध रहे। शाह ने चित्तौड़गढ़ के निम्बाहेड़ा में वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण करने के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा, ''अटल बिहारी वाजपेयी 40 साल तक विपक्ष में रहे, लेकिन उनकी विचारधारा हमेशा सर्वोपरि रही। उन्होंने अपना जीवन अपने सिद्धांतों के अनुसार जिया।''

शाह ने कहा कि वाजपेयी जेल गए, लाठियां खाईं और कांग्रेस के अत्याचार सहे, लेकिन अपने सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया। उन्होंने कहा कि वाजपेयी जब प्रधानमंत्री बने तो वह देश के पहले गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्री थे और उन्होंने कई बड़े फैसले लिए। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, ''दुनिया के दबाव के बावजूद उन्होंने पोखरण परीक्षण के जरिए भारत को परमाणु शक्ति बनाया।'' उन्होंने कहा कि वाजपेयी ने हर गांव को सड़कों से जोड़ने के लिए भी काम किया। शाह ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री ने स्वर्ण चतुर्भुज परियोजना शुरू की, राष्ट्रीय राजमार्गों के नेटवर्क का विस्तार किया और अपने कार्यकाल में कई अन्य पहल कीं। उन्होंने वाजपेयी को जनजातीय विकास के लिए अलग मंत्रालय स्थापित करने का श्रेय भी दिया। शाह ने कहा कि इससे पहले जनजातीय समुदायों के कल्याण के लिए कोई अलग मंत्रालय नहीं था।

शाह ने कहा, ''अटल जी ने जो शुरुआत की थी, उसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूरा किया है।'' उन्होंने यह बात जनजातीय कल्याण के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार की ओर से उठाए गए कदमों के संदर्भ में कही।

उन्होंने कहा कि जनजातीय समुदाय से आने वाली द्रौपदी मुर्मू का भारत का राष्ट्रपति चुना जाना इस दिशा में हुई प्रगति का प्रमाण है। शाह ने कहा, ''न तो उन्होंने (वाजपेयी) सत्ता में रहते हुए अपने सिद्धांत छोड़े और न ही विपक्ष में रहते हुए। इसलिए उन्हें अजातशत्रु' कहा जाता है-एक ऐसे महान व्यक्ति के रूप में, जिसका कोई दुश्मन नहीं था।''

बंगाल विधानसभा के पूर्व उपाध्यक्ष आशीष बनर्जी फंदे से लटका मिले

कोलकाता/रामपुरहाट/भाषा। पश्चिम बंगाल विधानसभा के पूर्व उपाध्यक्ष आशीष बनर्जी का शव बीरभूम जिले में तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यालय में रविवार सुबह फंदे से लटका मिला। पुलिस ने यह जानकारी दी। बनर्जी की मौत को लेकर राज्य में तृणमूल कांग्रेस के खेमों और भाजपा के बीच आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गया है। घटना के कुछ घंटे बाद मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने आशंका जताई कि विपक्षी दल के भीतर के भ्रष्ट तत्वों ने शायद आशीष बनर्जी को धमकी दी होगी। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यालय से बरामद पूर्व विधायक के एक पत्र की भी जांच कराई जाएगी। शुभेंदु अधिकारी ने कहा, आशीष बनर्जी के लेटरहेड पैड पर हस्तलिखित 'सुसाइड नोट' की जांच कराई जाएगी। लिखावट की भी जांच कराई जाएगी।

तृणमूल के वरिष्ठ नेता के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने पुलिस को शोकाकुल परिवार के साथ खड़े रहने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि यह भी जांच की जाएगी कि क्या बनर्जी को किसी ने धमकी दी थी।

तीन भारतीयों ने 'स्काईडाइविंग' करते हुए तिरंगा फहराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भाषा। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई)में रहने वाले तीन भारतीय उन '65 स्काईडाइवर्स' में शामिल थे, जिन्होंने 13,000 फुट की ऊंचाई पर एक विमान से छलांग लगाई और अपने-अपने देश का झंडा फहराकर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराया। स्थानीय मीडिया ने यह खबर दी है। शनिवार को 'गल्फ न्यूज' अखबार में शनिवार को प्रकाशित खबर के मुताबिक सात अगस्त को लीबिया में इस आयोजन में केवल तीन भारतीयों, केरल के कन्नूर से जमशीर थनालोट, उत्तर प्रदेश के गोरखपुर से अभिषेक रावत और बिहार के पटना से ईशा राज ने हिस्सा लिया था। खबर के मुताबिक 65 लोगों के पूरे समूह ने एक ही विमान से राष्ट्रीय झंडों के साथ एक साथ कूदने वाले सबसे ज़्यादा स्काईडाइवर्स का नया रिकॉर्ड बनाया। गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने 14 अगस्त को आधिकारिक तौर पर इस कीर्तिमान की पुष्टि की।

अखबार के मुताबिक सेना के इल्यूशिन आईएल-76टीडी विमान से छलांग लगाते समय हर स्काईडाइवर ने अपने-अपने देश का झंडा साथ लिया हुआ था। खलीज टाइम्स की खबर के मुताबिक इस समूह में करीब 38 देशों के स्काईडाइवर्स शामिल थे।

युवा हमारी जनसांख्यिकीय शक्ति, सही दिशा मिले तो लाभ होगा : भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि युवा देश की जनसांख्यिकीय शक्ति हैं और यदि उनकी क्षमता का सही उपयोग किया जाए तो देश 'विश्वगुरु' बनेगा, वरना वे भविष्य में समाज पर बोझ बन सकते हैं। उन्होंने यह भी जोर दिया कि जब जनहित के मुद्दे उठाए जाते हैं तो विपक्ष और आंदोलन लोकतंत्र का अभिन्न हिस्सा होते हैं। उन्होंने कहा, संविधान या देश के कानूनों को नुकसान पहुंचाए बिना संवाद और बहस जारी रहनी चाहिए। भागवत ने लोकमत मीडिया समूह की ओर से कस्तूरचंद पार्क में आयोजित एक कार्यक्रम में युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि 30 साल बाद वे भी उम्रदराज हो जाएंगे। उन्होंने युवाओं से कहा कि वे केवल अपने बारे में न सोचें, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की जरूरतों के प्रति भी संवेदनशील रहें।

भागवत ने युवाओं से साहसी बनने और आत्मविश्वास के साथ भविष्य का सामना करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवाओं को अपना भविष्य और देश की दिशा तय करने के लिए काम करना चाहिए। भागवत ने कस्तूरचंद पार्क में लोकमत मीडिया समूह और नगर निगम के सहयोग से स्थापित 200 फुट ऊंचे राष्ट्रीय ध्वज को फहराया। उन्होंने कहा, युवा हमारी जनसांख्यिकीय शक्ति हैं। यदि उनका सही ढंग से मार्गदर्शन किया जाए हमें इससे बहुत लाभ मिलेगा। अगर हम उनका उचित इस्तेमाल करते हैं तो देश 'विश्वगुरु' बनेगा। लेकिन अगर हम ऐसा करने में विफल रहे तो बाद में यह एक बड़ा बोझ बन जाएगा, क्योंकि यही युवा पीढ़ी 30 साल बाद बुजुर्ग पीढ़ी बन जाएगी। उन्होंने कहा, ''युवा ही कमाने वाले होंगे। रोजगार का मतलब केवल नौकरी नहीं है, बल्कि मेहनत-मजदूरी करने वाले लोग भी इसमें शामिल हैं तथा उनकी मेहनत का सम्मान किया जाना चाहिए।''

भागवत ने कहा कि भारत अपनी आजादी के 80वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है, जो देश को स्वतंत्र कराने के लिए संघर्ष करने वालों के बलिदान से संभव हुआ। उन्होंने कहा कि अब युवा पीढ़ी को देश के भविष्य के बारे में सोचना चाहिए।

कानूनी व्यवस्था को नया रूप देने में प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल की दिशा तय करने में नेतृत्व करें : सीजेआई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर/भाषा। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने रविवार को राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों (एनएलयू) से महज प्रौद्योगिकी में बदलाव पर प्रतिक्रिया देने के बजाय इस बात को तय करने में अग्रणी भूमिका निभाने का आह्वान किया कि न्याय, निष्पक्षता और मानवीय विवेक को केंद्र में रखते हुए प्रौद्योगिकी को किस तरह कानूनी व्यवस्था को नया रूप देना चाहिए। प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, जोधपुर में आयोजित 'कुलपतियों के सम्मेलन 2.0' को संबोधित करते हुए कहा कि विधि पेशा अब प्रौद्योगिकी को देर से अपनाने वाला नहीं रह सकता। उन्होंने विधि शिक्षा में जेनरेटिव एआई जैसे उपकरणों के इस्तेमाल पर पूर्ण प्रतिबंध को भी खारिज किया।

जेनरेटिव एआई एक प्रकार की कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रणाली है जो लिखित निर्देशों के आधार पर स्वचालित रूप से सामग्री उत्पन्न करती है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा, शैक्षणिक ईमानदारी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जिम्मेदार इस्तेमाल को पाठ्यक्रम और शिक्षण पद्धति का महत्वपूर्ण हिस्सा बनना चाहिए। इस तरह का बदलाव संस्थानों की सुविधा के अनुसार नहीं चलता। सम्मेलन का विषय कानूनी प्रौद्योगिकी और इसका रोडमैप : कानूनी प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विधि को अग्रणी के रूप में स्थापित करना था।

सीजेआई ने कहा कि प्रौद्योगिकी पहले ही कानूनी परिवेशी तंत्र को बदल रही है। उन्होंने कहा कि इसमें अनुबंध तैयार करने और कानूनी मामलों की समुचित पड़ताल से लेकर विधि शोध, साक्ष्य प्रबंधन तथा विवाद समाधान तक शामिल हैं। उन्होंने कहा कि विधि महाविद्यालयों को इस बदलाव पर प्रतिक्रिया देने वाली पहली कतार में होना होगा। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि आने वाले समय में विधि स्नातक ऐसे उपकरणों के साथ काम करेंगे, जो कुछ ही सेकंड में हजारों न्यायिक नजीरों को पढ़ने, कानूनी और नियामकीय जोखिमों की पहचान करने तथा अदालतों और विवाद समाधान तंत्र की मदद करने में सक्षम होंगे। हालांकि, उन्होंने कहा कि केवल प्रौद्योगिकी से परिचित होना पर्याप्त नहीं होगा। उन्होंने कहा, जो स्नातक केवल किसी तकनीकी उपकरण से मिले नतीजे को समझता है, वह उस पर निर्भर रहेगा, जबकि धारणाओं पर सवाल उठाने, निष्कर्षों की पुष्टि करने और स्वतंत्र निर्णय लेने के लिए प्रशिक्षित व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी छोड़े बिना प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर सकेगा।''

सजावट

15 अगस्त को बेंगलूरु में विधानसभा के समक्ष किए गए स्वतंत्रता हब्बा का आयोजन मंत्री कृष्णबैरेगौड़ा के नेतृत्व में किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर अपनी देशभक्ति का परिचय दिया। वहीं अनेक कार्यक्रम हुए तथा विधानसभा में सुन्दर लाइटिंग की व्यवस्था के साथ आतिशबाजी भी की गई।

कावेरी का जल छोड़ने संबंधी आज सुनवाई करेगा उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय तमिलनाडु सरकार की उस याचिका पर सोमवार को सुनवाई करेगा, जिसमें कर्नाटक सरकार को तमिलनाडु के हिस्से का कावेरी नदी का जल तत्काल छोड़ने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। उच्चतम न्यायालय की 17 अगस्त की वाद सूची के अनुसार, मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति विक्रमनाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ करेगी। शीर्ष अदालत ने 12 अगस्त को कहा था कि इस मामले में तमिलनाडु सरकार और द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सहित अन्य पक्षों की ओर से दायर याचिकाओं पर 17 अगस्त को सुनवाई की जाएगी। इससे पहले, तमिलनाडु सरकार ने कहा था कि बारिश की कमी वाले साल में राज्य को कावेरी नदी के पानी का अपना उचित हिस्सा नहीं मिल रहा है।

जोसफ विजय के नेतृत्व वाली तमिलनाडु सरकार ने तीन अगस्त को उच्चतम न्यायालय का रुख करते हुए कर्नाटक सरकार को तमिलनाडु के हिस्से का पानी तत्काल छोड़ने का निर्देश देने का अनुरोध किया था।

हर्षोल्लास एवं गरिमा के साथ मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर कर्नाटक की समस्त सामाजिक एवं शैक्षणिक संस्थाओं में देश की स्वतंत्रता की 80वीं वर्षगांठ अत्यंत हर्षोल्लास और गरिमा के साथ मनाई गई। इस शुभ अवसर पर सभी संस्थानों में राष्ट्रध्वज 'तिरंगा' फहराकर देश के स्वाधीनता सेनानियों को नमन किया गया। समारोह को स्मरणीय बनाने के लिए विभिन्न सामाजिक गतिविधियों जैसे अन्नदान और नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविरों का आयोजन किया गया। जहां एक ओर स्कूली विद्यार्थियों ने अपनी मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से देशभक्ति का रंग जमाया, वहीं दूसरी ओर सामाजिक संगठनों ने ध्वजारोहण के साथ-साथ समाज कल्याण से जुड़े अनेक जनहित कार्यक्रमों की शुरुआत की।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सुमतिनाथ जैन संघ मैसूरु

मैसूरु के सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में महावीर भवन में शनिवार को पदाधिकारियों ने ध्वजारोहण किया। बालक-बालिकाओं द्वारा अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तेरापंथ भवन गांधीनगर

बेंगलूरु के गांधीनगर स्थित तेरापंथ भवन में साध्वीश्री पावनप्रभाजी के सान्निध्य में शनिवार को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर ध्वजारोहण किया गया। इस मौके पर तेरापंथ ट्रस्ट गांधीनगर के अध्यक्ष माणकचन्द बलदोटा, मंत्री कन्हैयालाल चिप्पड़, कोषाध्यक्ष माणकचन्द संचेती, महिला मंडल की अध्यक्ष लक्ष्मी बोहरा, पूर्व अध्यक्ष गौतमचन्द मुथा एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

आदर्श स्कूल :

आदर्श विद्या संघ द्वारा मनवरतपेट में संचालित आदर्श स्कूल में 80वां स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया। मुख्य अतिथि के रूप में चिकपेट के पूर्व पार्षद शिवकुमार उपस्थित थे। बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। इस मौके पर संघ के पूर्व अध्यक्ष हस्तीमल सिसोदिया, प्राइमरी स्कूल के दानदाता प्रकाश खांटेड़, अध्यक्ष पदमराज मेहता, उपाध्यक्ष संजय धारीवाल, सचिव जितेंद्र मरड़िया, संयुक्त सचिव अरविंद डोशी एवं समन्वयक अशोक भंसाली, प्राचार्या डॉ. प्रज्ञा यादव आदि उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

हुब्बल्ली महावीर लिम्ब सेन्टर

हुब्बल्ली के ऑल इंडिया जैन यूथ फेडरेशन द्वारा किम्स परिसर में संचालित महावीर लिंब सेंटर में 80वां स्वतंत्रता दिवस देशभक्ति की भावना और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर चेयरमैन गौतम गुलेच्छा, कोषाध्यक्ष मानव संघवी, सुनील भुरट, संयोजक सुभाषचंद्र डंक आदि उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तेयुप गांधीनगर

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर तेरापंथ युवक परिषद् गांधीनगर द्वारा शनिवार को आचार्यश्री महाप्रज्ञ हाईस्कूल, नंदिनी लेआउट में ध्वजारोहण एवं छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कुल 16 विद्यार्थियों को प्रायोजक कमलेश भरत डूंगरवाल की ओर से छात्रवृत्ति प्रदान की गई। इस मौके पर स्कूल के संस्थापक मनोहर भारती, मुख्य अतिथि अभातेयुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन मांडोत, तेयुप अध्यक्ष विनोद कोठारी, मंत्री विवेक मरोठी, संयोजक प्रदीप चोपड़ा सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे।

आसक्ति दुख का कारण है : साध्वी मंगलज्योति

बेंगलूरु। यहां श्री वर्धमान श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ शांतिनगर के तत्वावधान में लुणावत जैन स्थानक में चातुर्मास हेतु विराजित साध्वी मंगलज्योति जी ने रविवार को श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि तृष्णा को भगवान महावीर ने दुख का मूल कारण बतलाया है। उन्होंने कहा कि आसक्ति भी हमारी अप्रसन्नता का कारण है। वस्तु की अपेक्षा और उसके प्राप्ति में लीन रहने वाला स्वयं को दुखी ही महसूस करता है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को हमेशा मधुर मीठी वाणी का व्यवहार करना चाहिए क्योंकि मधुर मीठे वचन सबको जोड़ने का कार्य करते हैं और कठोर, कड़वे, कटु वचन रिश्तों में तनाव, दूरियां बढ़ाते हैं। साध्वी ऋजु प्रज्ञा जी ने अपने संबोधन में आचांराग सूत्र के माध्यम से कहा कि संसार में हर जीव कर्म सत्ता के अधीन है। हमारा रिमोट कंट्रोल कर्मसत्ता के हाथ में है। कर्म सत्ता बालर की तरह और हमारी आत्मा बैटिंग करती है। उन्होंने कहा कि हम धर्म सत्ता की शरण से कर्म सत्ता को हरा सकते हैं। कर्म के सामने अमीर रंक सब एक समान है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मैसूरु महावीर विद्यालय

मैसूरु स्थित महावीर जैन विद्यालय में शनिवार को स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कर्नाटक स्टेट ओपन यूनिवर्सिटी के अकादमी डीन प्रो. विक्रम चन्दूरंगा, विद्यालय के अध्यक्ष देवीचन्द सालेचा, मंत्री हीराचन्द जैन, उपाध्यक्ष चम्पालाल जैन, हेडमास्टर विद्यावती आदि ने झंडारोहण किया। बच्चों द्वारा अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

हीराबाग जैन स्थानक

बेंगलूरु के हीराबाग जैन स्थानक में शनिवार को ज्ञानमुनिजी के सान्निध्य में स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर रमेशचंद बोहरा, लखपत मुनोत, पूनम सोलंकी, राखी गादिया, विशाल लूणावत, जब्बरचंद कांकरिया, मंत्री अशोक बांठिया ने स्वतंत्रता दिवस पर संबोधित किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अणुव्रत समिति विजयनगर

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अणुव्रत समिति विजयनगर द्वारा महादेवा हाई स्कूल, बापूजीनगर में ध्वजारोहण एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय संगठन मंत्री राजेश चावत, अध्यक्ष महेंद्र टेबा, महिला मंडल की महिमा पटावरी, सरिता छाजेड़, समिति संगठन मंत्री सम्पत चावत, संजय पितलिया, नवरतन बैद, संजय बाफना, सुमित्रा बरड़िया, बबीता दसानी व अनेक सदस्यों ने ध्वजारोहण किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जीतो हुब्बल्ली

जीतो हुब्बल्ली चैप्टर फाउंडेशन ने केशवापुर में कुसुगल रोड स्थित ईस्ट ट्रैफिक पुलिस स्टेशन में स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। जीतो ने पुलिस स्टेशन को एक डेस्कटॉप कंप्यूटर सिस्टम भेंट किया। इस मौके पर भारतीय सेना से रिटायर होने के बाद पुलिस विभाग में शामिल होकर देश की सेवा देने वाले पुलिस अधिकारियों को भी सम्मानित किया गया। हुब्बल्ली चैप्टर के चेयरमैन अनिल कुमार जैन ने ट्रैफिक पुलिस द्वारा किए जा रहे बेहतरीन काम की सराहना की। कार्यक्रम में मुख्य सचिव प्रवीण चौधरी, भंवरलाल जैन, महेंद्र पालगोता, अशोक भंडारी, अक्षय शाह, भरत पटवरी आदि उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तेरापंथ भवन राजराजेश्वरीनगर

शनिवार को राजराजेश्वरी नगर के तेरापंथ ट्रस्ट के तत्वावधान में निर्वतमान अध्यक्ष मनोज डागा द्वारा ध्वजारोहण किया गया। मुनिश्री ने स्वतंत्रता के महत्त्व पर प्रकाश डाला। इस मौके पर मुमुक्षु सुमनबाई नाहटा का सम्मान किया गया। सभा की उपाध्यक्ष सरोज बैद, तेममं की अध्यक्ष मंजु बोथरा, मंत्री वंदना भंसाली, आगम प्रभारी विकास दुगड़, कंचन छाजेड़, सुमन पटावरी सहित अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति थी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

खागा बेंगलूरु

कर्नाटका होजरी एवं गारमेंट्स एसोसिएशन(खागा) ने शनिवार को मामुलपेट में स्वतंत्रता दिवस मनाया। अध्यक्ष प्रकाश भोजानी ने स्कूली बच्चों के साथ ध्वजारोहण किया। इस मौके पर उपाध्यक्ष पीएच राजपुरोहित, नरपतसिंह राजपुरोहित, सचिव कैलाश बालर, संयुक्त सचिव बिशनसिंह विराणा, कोषाध्यक्ष जोगेश जैन, पूर्व अध्यक्ष सज्जनराज मेहता, दिलीप जैन, गौतमचंद पोरवाल, डूंगरमल चौपड़ा सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर

तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर द्वारा बसवनगुड़ी स्थित कन्या सुरक्षा स्तंभ पर स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। अध्यक्ष लक्ष्मी बोहरा, पूर्व अध्यक्ष स्वर्णमाला पोकरणा, शांतिलाल पोरवाल, कर्नाटक आंचलिक ज्ञानशाला प्रभारी माणक संचेती, ललित आच्छा, सहमंत्री वीणा पोरवाल, कन्या मंडल प्रभारी मीना आच्छा व उर्मिला बरड़िया, सूर्यकला सियाल, इंदु खिंवेसरा, पवन संचेती, संतोष सेठिया आदि उपस्थित थे। इसके अलावा तुलसी चेतना केंद्र के परिसर एवं स्कूल के कन्या सुरक्षा स्तंभ के समक्ष भी ध्वजारोहण किया गया। अध्यक्ष लक्ष्मी बोहरा, सहमंत्री विनीता मरोठी, प्रचार प्रसार मंत्री संगीता आंचलिया, कन्या मंडल प्रभारी उर्मिला बरड़िया उपस्थित थीं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

हनुमंतनगर स्थानक

बेंगलूरु के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ ट्रस्ट युवक मण्डल, महिला मण्डल हनुमंतनगर के तत्वाधान में स्वतंत्रता दिवस पर झंडारोहण किया तथा स्वतंत्रता सेनानियों को याद किया। अध्यक्ष गौतमचंद सिंघवी, मंत्री सुरेश धोका, युवक मंडल अध्यक्ष शीतल रांका आदि ने झंडारोहण किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सेवा ब्रिगेड

भारत के स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सेवा ब्रिगेड फाउंडेशन एवं धर्मनिष्ठा सेवा ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में आरटी नगर में नि:शुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 200 लोगों ने नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

राजपूताना

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भारतीय राजपूताना सेवा संगठन द्वारा व्हाइटफील्ड स्थित संगठन कार्यालय में ध्वजारोहण समारोह का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय महासचिव प्रेमसिंह एवं बेंगलूरु अध्यक्ष सुनील सिंह ने ध्वजारोहण किया। समारोह में अनिल सिंह सिकरवार सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्थानक भवन मैसूरु

मैसूरु के जैन स्थानक भवन पर स्थानकवासी जैन संघ की ओर से कमल मुनिजी कमलेश के सान्निध्य में स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। संघ के अध्यक्ष सुभाष की दरड़ा ने झंडारोहण किया। महिला मंडल व जैन युवा संघ के सदस्यों ने देशभक्ति के गीत प्रस्तुत किए।

ग्रामीणों ने वन कर्मियों की गोली से मारे गए 'शिकारियों' को न्याय दिलाने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चामराजनगर। कर्नाटक में 15 अगस्त को वनकर्मियों के साथ मुठभेड़ में मारे गए तीन कथित शिकारियों को न्याय दिलाने की मांग को लेकर रविवार को चामराजनगर और मैसूरु में जिले में ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया। चामराजनगर जिले के हनूर में तनाव की स्थिति रही, जहां दत्ती वन क्षेत्र में वनकर्मियों के साथ कथित मुठभेड़ में मारे गए तीन लोगों के परिजनों और ग्रामीणों ने बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किया। स्थानीय लोगों ने वन विभाग के अधिकारियों के खिलाफ नाराजगी जताते हुए माले महादेश्वरा बेट्टा जाने वाली सड़क को जाम कर दिया।

द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) सहित तमिलनाडु के दलों ने दावा किया कि मारे गए तीनों लोग तमिल थे और अधिकारियों के इस दावे पर सवाल उठाए कि वे शिकारी थे। ग्रामीणों ने मृतकों के लिए न्याय की मांग की। घटनास्थल की टेलीविजन पर प्रसारित तस्वीरों में भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की होती दिखाई दी। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि गोली चलाने वाले वनकर्मियों को मौके पर लाकर उनसे पूछताछ की जाए। वहीं, पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने और परिजनों तथा ग्रामीणों में बढ़ते आक्रोश को शांत करने के प्रयास किए। प्रदर्शनकारियों ने वन कर्मियों के तीनों लोगों को गोली मारने के अधिकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि भले ही वे शिकार के लिए जंगल में गए थे, फिर भी उन्हें मारना उचित नहीं था। आक्रोशित ग्रामीणों ने कहा, उन्हें हाथ या पैर में गोली मारी जा सकती थी, लेकिन इसके बजाय उनकी गर्दन में गोली मारी गई। गोली चलाने वाले कर्मियों को मौके पर लाकर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए। परिजनों और ग्रामीणों ने तत्काल मुआवजे की आधिकारिक घोषणा करने और जानलेवा गोलीबारी में शामिल अधिकारियों की गिरफ्तारी की भी मांग की। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि स्थानीय विधायक द्वारा प्रभावित परिवारों को मुआवजा देने का भरोसा दिलाने के बाद विरोध प्रदर्शन वापस ले लिया गया। उन्होंने कहा कि अब स्थिति नियंत्रण में है।

अधिकारियों ने बताया कि मृतकों में से एक की पत्नी की ओर से औपचारिक शिकायत दर्ज कराए जाने के बाद हनूर पुलिस ने कथित घटना में शामिल वन अधिकारियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) (हत्या के लिए सजा) के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि वे पोस्टमार्टम से संबंधित दस्तावेजों पर हस्ताक्षर नहीं करेंगे, लेकिन बाद में उन्होंने अपनी सहमति दे दी। शव फिलहाल मैसूरु के के.आर. अस्पताल के शवगृह में रखे गए हैं। मैसूरु के पुलिस अधीक्षक मल्लिकार्जुन बालडंडी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि परिवारों ने पोस्टमार्टम के लिए सहमति दे दी है और केआर अस्पताल में दो शवों का पोस्टमार्टम पूरा हो चुका है। अधिकारियों ने बताया कि मैसूरु में भी विरोध प्रदर्शन हुए, जहां पुलिस प्रदर्शनकारियों को हटाकर स्थिति को शांत करने की कोशिश करती दिखी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कोडागु में संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने मजिस्ट्रेट से जांच के आदेश दिए हैं और भरोसा दिलाया कि सरकार पीड़ित परिवारों को मुआवजा देगी। उन्होंने कहा, ''हम हर बात हर किसी को नहीं बता सकते। मुझे इस मामले की असल जानकारी आज सुबह ही मिली है। मुझे सभी दस्तावेज़ों के बारे में भी जानकारी दी गई है। वन विभाग के अधिकारी आए और उन्होंने मुझे पूरी और सीधी जानकारी दी।'' शिवकुमार के मुताबिक वन विभाग के कर्मचारियों ने हथियार और मांस से भरे दो बैग जब्त किए, जिनमें जंगली जानवरों का मांस भी शामिल है। उन्होंने कहा, ''हमारे अधिकारियों के अनुसार, एक व्यक्ति फरार हो गया है। अधिकारी अब भी विवरण एकत्र कर रहे हैं।''कर्नाटक विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर. अशोक ने मांग की कि शिवकुमार घटना के तथ्यों का पता लगाने के लिए न्यायिक जांच का आदेश दें। अशोक ने बेंगलूरु में संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि सरकार के खिलाफ लगे आरोपों के कारण मुख्यमंत्री ने एक सहायक आयुक्त की अध्यक्षता में जांच समिति का गठन किया है। उन्होंने कहा, ''अगर अधिकारी ही अधिकारियों की जांच करेंगे, तो तय है कि जांच भटक जाएगी। अब तक जितनी भी जांच हुई हैं, वे सभी अधिकारियों के पक्ष में ही रही हैं। केवल न्यायिक जांच ही सच सामने ला सकती है।'' यह घटना शनिवार तड़के कावेरी वन्यजीव अभयारण्य के तहत शाग्या रेंज के घने जंगल क्षेत्र में हुई, जहां शिकार की गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद वनकर्मियों का सामना चार लोगों से हुआ। इस बीच, तमिलनाडु की द्रमुक और पीएमके ने दावा किया कि मारे गए लोग तमिल थे और उनकी हत्या की कड़ी निंदा की। पार्टियों ने मामले की जांच और पीड़ितों के परिवारों को मुआवज़ा देने की मांग की।

प्रतिभा पुरस्कार और सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक स्टेट सेकेंडरी टीचर्स एसोसिएशन ने रविवार को राममूर्तिनगर के लोटस कन्वेंशन सेंटर में बेंगलूरु साउथ जिले के एसएसएलसी स्कूलों में पहली पोजीशन पाने वाले और 90 प्रतिशत से ज़्यादा मार्क्स लाने वाले टीचर्स के बच्चों के लिए प्रतिभा पुरस्कार और सम्मान समारोह का आयोजन किया।

बीजपी के नेशनल ऑर्गनाइजेशन जनरल सेक्रेटरी बीएल संतोष ने सभा का संबोधित किया। नेशनल स्कूल एजुकेशन लीडर शिवानंद सिंधनकेरा, वाग्देवी ग्रुप ऑफ एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन हरीश कृष्णमूर्ति, नवज्योति शेल्टर्स प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर चंद्रकांत कोनिडेला, राज्य कोषाध्यक्ष सुरेंद्र ए, जिला अध्यक्ष मुनिराजू और सदीपा बुदिहाल स्टेज पर मौजूद थे। अपने स्कूलों में पहली पोजीशन पाने वाले 350 से ज़्यादा विद्यार्थियों को समारोह में सम्मानित किया गया।

ध्वजारोहण के बाद कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार बोले

समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलेगी सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने शनिवार को राज्य की जनता को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं और कर्नाटक भर में शांति, सद्भाव और समावेशी विकास सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के तहत बेंगलूरु स्थित अपने सदाशिवनगर आवास पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, मुझे मुख्यमंत्री और जनसेवक के रूप में राष्ट्रीय ध्वज फहराने का अवसर मिला है। मैं समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलूंगा और आने वाले दिनों में राज्य में शांति, सद्भाव और सांप्रदायिक सद्भाव सुनिश्चित करने का प्रयास करूंगा। कर्नाटक और देशवासियों को अपनी शुभकामनाएं देते हुए डी.के शिवकुमार ने उन नेताओं और स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिनके बलिदानों ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक मूल्यों को सुरक्षित रखने में मदद की। उन्होंने समाज के सभी वर्गों के नागरिकों से स्वतंत्रता दिवस में भाग लेने और इसे मनाने का आग्रह किया।

उपमुख्यमंत्री जी. परमेश्वर ने तुमकुरु स्थित श्री सिद्धगंगा मठ का दौरा किया, श्री सिद्धलिंग स्वामीजी का आशीर्वाद लिया और मठ परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। मांड्या में जल संसाधन मंत्री और जिला प्रभारी एन. चेलुवरयास्वामी ने नागरिकों से स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों को याद करते हुए सद्भाव, भाईचारा, समानता और सामाजिक न्याय को बनाए रखकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि भारत ने महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, भगत सिंह और चंद्रशेखर आजाद सहित अनगिनत देशभक्तों के बलिदानों के माध्यम से स्वतंत्रता प्राप्त की। उन्होंने कर्नाटक के स्वतंत्रता सेनानियों किट्टूर रानी चेन्नम्मा, संगोली रायन्ना, गंगाधर राव देशपांडे, आर.आर. दिवाकर, एन.एस. हार्डीकर, आलूरु वेंकट राव और एस. निजलिंगप्पा के योगदान को भी याद किया।

परिचालन लागत बढ़ने का हवाला देकर सरकार ने बढ़ाया पीयूसी परीक्षण शुल्क, भाजपा ने बोला हमला

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार ने परिचालन और रखरखाव की लागत में वृद्धि का हवाला देते हुए वाहन के प्रदूषण नियंत्रण (पीयूसी) जांच शुल्क में बढ़ोतरी की है। सरकारी आदेश के अनुसार, दोपहिया और तिपहिया दोनों वाहनों का शुल्क बढ़ाकर अब 80 रुपये कर दिया गया है; पहले यह क्रमशः 65 और 75 रुपये था।

पेट्रोल, एलपीजी या सीएनजी चालित चार पहिया वाहनों का शुल्क 115 रुपये से बढ़ाकर 150 रुपये कर दिया गया है, जबकि डीजल चालित वाहनों के लिए शुल्क 160 रुपये से बढ़ाकर 200 रुपये कर दिया गया है। शुल्क बढ़ोतरी को लेकर कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता और विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा कि अनिवार्य वाहन नियमों की आड़ में कड़ी मेहनत करने वाले कन्नड़ लोगों से पैसे ऐंठने का एक और मौका नहीं बनाया जाना चाहिए।

पीयूसी शुल्क में जनविरोधी बढ़ोतरी को तुरंत वापस लेने की मांग करते हुए उन्होंने कहा कि कर्नाटक के लोग इस लगातार बढ़ते बोझ से तंग आ चुके हैं। यह संशोधन 'कर्नाटक पलूशन टेस्टिंग सेंटर ओनर्स एसोसिएशन, बेंगलूरु' के प्रतिवेदन के आधार पर परिवहन एवं सड़क सुरक्षा आयुक्त द्वारा भेजे गए प्रस्ताव के बाद किया गया है।

'वंदे मातरम' के अपमान पर भाजपा नेता ने मंगलूरु में दी सोनिया गांधी के खिलाफ शिकायत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। कांग्रेस मुख्यालय में 15 अगस्त को 'वंदे मातरम' का अपमान करने पर कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी के खिलाफ कर्नाटक में स्थित मंगलूरु के उरवा पुलिस स्टेशन में शिकायत दी गई है। भाजपा नेता विकास पुत्तूर कार्यकर्ताओं के साथ उरवा पुलिस स्टेशन पहुंचे और उन्होंने पुलिस को शिकायत सौंपी। उन्होंने आरोप लगाया कि 15 अगस्त को दिल्ली में कांग्रेस कार्यालय में आयोजित ध्वजारोहण समारोह का प्रसारण किया गया। इस कार्यक्रम में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी मौजूद थीं। सोनिया गांधी ने वंदे मातरम' को बीच में ही रोकने के लिए कहा था। जब प्रोटोकॉल के अनुसार राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' प्रस्तुत किया जा रहा था तो सोनिया गांधी ने इसके प्रति अनादर दिखाया और इसे रोकने पर जोर दिया।

कुमारस्वामी ने शिवकुमार से एनआईसीई की सड़क परियोजना को अपने हाथ में लेने की अपील की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार से एनआईसीई की सड़क परियोजना को अपने अधीन लेने और ''अनधिकृत'' टोल वसूली को तत्काल रोकने की अपील की है। जनता दल (एस) के नेता कुमारस्वामी ने शिवकुमार को लिखे सात पन्नों के पत्र में बेंगलूरु-मैसूरु आधारभूत ढांचा गलियारा परियोजना (बीएमआईसीपी) के क्रियान्वयन में कथित अनियमितताओं पर कर्नाटक उच्च न्यायालय की हालिया टिप्पणियों का हवाला दिया और राज्य सरकार से सुधार के कदम उठाने की मांग की। 'नंदी इंफ्रास्ट्रक्चर कॉरिडोर एंटरप्राइज' (एनआईसीई) बेंगलूरु-मैसूरु आधारभूत ढांचा गलियारा परियोजना को लागू करने वाली कंपनी है। हालांकि, शिवकुमार ने कहा कि उन्होंने अभी पत्र नहीं देखा है और सरकार कानून के अनुसार कार्रवाई करेगी।

शिवकुमार ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''हम कानून के अनुसार चलेंगे। हमें कानून के मुताबिक ही काम करना होगा। मुझे बताया गया है कि पत्र आया है, लेकिन मैंने अभी इसे नहीं देखा है। मैं इसे देखूंगा।'' पत्र के अनुसार, कुमारस्वामी की दो प्रमुख मांगें हैं, जिनमें एनआईसीई द्वारा टोल वसूली तत्काल रोकना और उचित प्रावधान के तहत राज्य सरकार द्वारा इस परियोजना को अपने अधीन लेना शामिल है। केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री कुमारस्वामी ने आरोप लगाया कि एनआईसीई ने रूपरेखा समझौते और परियोजना तकनीकी समझौते की कई शर्तों का पालन नहीं किया है। उन्होंने राज्य सरकार से उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय के निर्देशों एवं टिप्पणियों के साथ-साथ परियोजना की जांच कर चुकीं विधायी और मंत्रिमंडलीय समितियों की सिफारिशों के अनुरूप कार्रवाई करने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री शिवकुमार ने विद्यालयों के लिए एआई शिक्षा कार्यक्रम की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने राज्यभर के विद्यालयों में कृत्रिम मेधा (एआई) की शिक्षा शुरू करने और विद्यार्थियों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने के उद्देश्य से 'एआई अक्षर अभियान' एवं कोडिंग गुरुकुल' कार्यक्रम की शनिवार को घोषणा की।

शिवकुमार ने यहां फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ परेड ग्राउंड' में स्वतंत्रता दिवस पर अपने संबोधन में कहा, हम अब प्रौद्योगिकी के एक नए युग में प्रवेश कर रहे हैं। एआई अभियानद्ध और कोडिंग गुरुकुल'-यह आपका युग है, एक नया युग।'' उन्होंने कहा, ''आज मैं एआई अक्षर अभियान और कोडिंग गुरुकुल' नामक एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम की घोषणा कर रहा हूं।'' उन्होंने बताया कि राज्य के सभी विद्यालयों में छठी कक्षा से एआई की शिक्षा शुरू की जाएगी। शिवकुमार ने कहा कि सरकार बेंगलूरु में भारत का पहला सरकारी एआई विश्वविद्यालय स्थापित करने की दिशा में भी काम कर रही है। विद्यालयों और महाविद्यालयों की गुणवत्ता में सुधार की आवश्यकता पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि परीक्षा प्रणाली में सुधार के लिए गठित विशेषज्ञ समिति दो महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। कर्नाटक के लिए अपनी परिकल्पना का उल्लेख करते हुए शिवकुमार ने कहा कि 'युवा कर्नाटक, नया भारत' उनकी सरकार का नारा है और राज्य ने 2047 तक अपनी अर्थव्यवस्था को 320 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। शिवकुमार ने छह महीने के भीतर करीब 72,000 सरकारी रिक्त पदों को भरने, निजी क्षेत्र में नौकरी तलाश रहे युवाओं के लिए 'उद्योग सेतु' एवं 'उद्योग निधि' कार्यक्रम समेत युवाओं और रोजगार पर केंद्रित कई कदमों की घोषणा की।

उन्होंने कहा कि सरकार ग्रामीण विद्यार्थियों के लिए सहाय हस्त/होसा हस्त' योजना लागू करेगी और चिकित्सा एवं इंजीनियरिंग समेत व्यावसायिक उच्च शिक्षा में ग्रामीण सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों को 7.5 प्रतिशत आरक्षण देगी। शिवकुमार ने कहा कि जल सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता है और 16,000 करोड़ रुपये की लागत वाली 112 बड़ी जलाशय परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है।

छात्रों ने दीक्षांत समारोह में सीजेआई एवं बीसीआई अध्यक्ष के शामिल होने के प्रस्ताव का विरोध किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु स्थित नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी (एनएलएसआईयू) के विद्यार्थियों और पूर्व छात्रों ने विश्वविद्यालय के आगामी दीक्षांत समारोह में भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत तथा भारतीय विधिज्ञ परिषद (बीसीआई) के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा के शामिल होने का विरोध किया है। विद्यार्थियों एवं पूर्व छात्रों ने 15 अगस्त को जारी एक बयान में हैदराबाद स्थित नालसार विधि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों का अधिवक्ता के रूप में पंजीकरण रोकने संबंधी बीसीआई के आदेश की निंदा की। हालांकि, यह आदेश अब वापस लिया जा चुका है। उन्होंने नालसार के विद्यार्थियों के प्रति एकजुटता व्यक्त करते हुए कहा कि इन विद्यार्थियों ने सत्ता के सामने सच बोलकर अनुकरणीय साहस एवं नैतिक दृढ़ता दिखाई है।

इस बयान पर इस साल डिग्री प्राप्त कर रहे 165 विद्यार्थियों, 409 मौजूदा विद्यार्थियों और 128 पूर्व छात्रों ने हस्ताक्षर किए। बयान में कहा गया, ''हमें मालूम है कि बीसीआई ने नालसार के खिलाफ सभी कार्यवाही बंद कर दी हैं लेकिन इससे यह तथ्य नहीं बदलता कि एक वैधानिक संस्था ने सार्वजनिक विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों और शिक्षकों के खिलाफ असंवैधानिक एवं गैरकानूनी कार्यवाही शुरू की थी। कार्यवाही वापस लेने से न तो उसके प्रभाव कम हो जाते हैं और न ही बीसीआई एवं उसके अध्यक्ष की जिम्मेदारी कम होती है।''

उन्होंने दावा किया कि विद्यार्थियों के पंजीकरण पर रोक और जांच संबंधी आदेश वापस लेने के बाद बीसीआई ने भी अपनी कार्रवाई की 'मनमानी'' तथा ''गैरकानूनी प्रकृति'' को स्वीकार किया है। बयान में कहा गया कि विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह हर विद्यार्थी के शैक्षणिक जीवन का महत्वपूर्ण अवसर होता है जिसमें उसकी वर्षों की मेहनत और दृढ़ता का सम्मान किया जाता है।

बयान में कहा गया, ''ऐसे में ऊंचे पदों पर बैठे उन लोगों को विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान करने के लिए बुलाना आपत्तिजनक और अपमानजनक है जिन्होंने विद्यार्थियों के प्रति सार्वजनिक रूप से तिरस्कार और उपेक्षा का भाव दिखाया है। यह विद्यार्थियों और उनके संघर्षों का मजाक उड़ाने जैसा है।'' बयान में मांग की गई कि बीसीआई नालसार के विद्यार्थियों और शिक्षकों के अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार का उल्लंघन करने की कोशिश के लिए उनसे बिना शर्त माफी मांगे।

इसमें कहा गया, ''हम मनन कुमार मिश्रा द्वारा अपने आचरण की जिम्मेदारी लिए बिना एनएलएसआईयू के दीक्षांत समारोह में शामिल होने पर कड़ी आपत्ति जताते हैं। हम नालसार के विद्यार्थियों की उस मांग के साथ भी एकजुटता व्यक्त करते हैं, जिसमें उन्होंने अपने दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में भारत के प्रधान न्यायाधीश को आमंत्रित करने के फैसले पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया है।

इन्हीं कारणों से हम प्रधान न्यायाधीश के एनएलएसआईयू के दीक्षांत समारोह में शामिल होने पर भी कड़ी आपत्ति जताते हैं।'' न्यायालय ने शुक्रवार को बार बीसीआई के उस आदेश पर कड़ा रुख अपनाया था जिसमें सभी राज्य बार काउंसिल को निर्देश दिया गया था कि वे नालसार विश्वविद्यालय के 2026 बैच के किसी भी स्नातक को अधिवक्ता के तौर पर पंजीकृत नहीं करें। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत के हैदराबाद स्थित संस्थान के प्रस्तावित दौरे पर छात्रों के प्रदर्शन के मामले में शीर्ष अदालत ने कहा था कि छात्रों को विरोध प्रदर्शन करने का अधिकार है और प्रधान न्यायाधीश ने कहा था, यह छात्रों और मेरे बीच की बात है।

प्रियंक खरगे ने हैदराबाद विलय के दौरान रजाकार हिंसा में संघ की भूमिका के बारे में दावे को खारिज किया

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियंक खरगे ने शनिवार को भाजपा नेता बी. एल. संतोष के उस दावे को खारिज किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि हैदराबाद रियासत के भारत में विलय के दौरान आरएसएस स्वयंसेवकों ने खरगे के परिवार को रजाकारों से बचाया था। प्रियंक ने कहा कि उनके परिवार और क्षेत्र के लोगों की रक्षा सरदार वल्लभभाई पटेल, जवाहरलाल नेहरू और भारतीय सेना ने की थी।

प्रियंक की यह टिप्पणी यहां 'हिंदू जागरण वेदिके' की ओर से आयोजित 'अखंड भारत संकल्प दिवस' कार्यक्रम में संतोष के उस बयान के बाद आई, जिसमें भाजपा नेता ने दावा किया था कि विभाजन के समय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कार्यकर्ताओं ने रजाकारों का सामना किया और हिंदुओं की रक्षा की। कलबुर्गी में संवाददाता सम्मेलन में प्रियंक खरगे ने कहा, आरएसएस हमारी रक्षा करने नहीं आया था। हमारे क्षेत्र के लोगों की रक्षा पंडित जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल और भारतीय सेना ने की थी। भारतीय सेना आई और उसने हमारी रक्षा की। संतोष ने दावा किया था कि राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे के परिवार को हैदराबाद विलय के दौरान रजाकारों के हमलों का सामना करना पड़ा था और वे गुलबर्गा चले गए थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पॉलिटेक्निक स्कूल ऑफ एजुकेशन

बेंगलूरु के मागड़ी रोड स्थित पॉलिटेक्निक स्कूल ऑफ एजुकेशन में शनिवार को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर झंडारोहण करते हुए बाबूसिंह नोरवा व जगदीश गोगड़।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

महाराजा अग्रसेन हॉस्पिटल

बेंगलूरु के पद्मनाभ नगर स्थित महाराजा अग्रसेन हॉस्पिटल परिसर में ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद गोयल के नेतृत्व में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर समाज के वरिष्ठों ने मिलकर राष्ट्रीय ध्वजारोहण किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तेरापंथ भवन दासरहल्ली

बेंगलूरु के तेरापंथ सभा ट्रस्ट, परिषद व महिला मंडल के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर ट्रस्ट से लादुलाल बाबेल, भगवतीलाल मांडोत, विनोद मेहर, प्रकाश गाँधी, सुरेन्द्र मेहर, कमलेश चावत, कन्हैयालाल गाँधी, प्रवीण बोहरा, तेयुप के सुनील दक, दिलीप पितलिया, कल्पेश चावत, राकेश चावत, देवीलाल गाँधी एवं महिला मण्डल से गीता बाबेल, किरण मेहर आदि झंडारोहण पर उपस्थित थे।

तेरापंथ सभा बेंगलूरु को 'श्रेष्ठ सभा' पुरस्कार मिला

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । स्थानीय जैन श्वेतांबर तेरापंथ सभा के अध्यक्ष प्रकाश बाबेल के नेतृत्व में लाडनूं में आचार्यश्री महाश्रमणजी के सान्निध्य में महासभा प्रतिनिधि सम्मेलन में प्रतिनिधि मंडल शामिल हुआ।

इस अवसर पर देश विदेश की लगभग 658 तेरापंथी सभाओं से लगभग 2000 प्रतिनिधियों की उपस्थिति में महासभा द्वारा बेंगलूरु तेरापंथ सभा के निवर्तमान अध्यक्ष पारसमल भंसाली,मंत्री विनोद छाजेड़ एवं सम्पूर्ण टीम के सफलतम कार्यकाल में कृत कार्य हेतु सभा को 'श्रेष्ठ सभा' के रूप में पुरस्कृत किया गया।

इस अवसर पर सभा उपाध्यक्ष प्रकाश कटारिया, विनय बैद, मंत्री सुभाष पोखरणा, सहमंत्री सुरेश मांडोत, कोषाध्यक्ष पुखराज श्रीश्रीमाल सहित महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रकाश लोढ़ा, दक्षिण कर्नाटक आंचलिक प्रभारी महेंद्र दक, नवनीत मुथा आदि भी उपस्थित थे।

'कर्नाटक का विकास देश के विकास को और मज़बूत करेगा'

राज्यपाल ने लोक भवन में राष्ट्रीय ध्वज फहराया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने शनिवार को 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लोक भवन में महात्मा गांधी और डॉ. अंबेडकर की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित की और राष्ट्रीय ध्वज फहराया। राज्यपाल ने अपने संबोधन में सबको शुभकामनाएं देते हुए कहा, 'कर्नाटक अपनी समृद्ध संस्कृति, ज्ञान-परंपराओं, इनोवेशन और विविधता में एकता की भावना के लिए जाना जाता है।

कर्नाटक की धरती पर वीरता और देशभक्ति की शानदार परंपरा रही है और इसने स्वतंत्रता संग्राम में उल्लेखनीय योगदान दिया था।' उन्होंने कहा, 'बेंगलूरु, भारत की टेक्नोलॉजी और इनोवेशन क्षमताओं के प्रतीक के तौर पर उभरा है। कर्नाटक के प्रतिभाशाली युवा, वैज्ञानिक, उद्यमी, किसान, मज़दूर, शिक्षक और महिलाएं न सिर्फ़ राज्य के विकास में, बल्कि देश के निर्माण में भी महत्त्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। कर्नाटक का विकास देश के विकास को और मज़बूत करेगा।'

उन्होंने कहा, 'गृह ज्योति, अन्न भाग्य, शक्ति, गृह लक्ष्मी और युवा निधि जैसी प्रमुख पहल लोगों को मदद पहुंचा रही हैं। ज़रूरतमंदों को आर्थिक सहायता

भी दी जा रही है। आर्थिक विकास को मज़बूत करने के साथ, हमारा लक्ष्य ऐसा कर्नाटक और भारत बनाना होना चाहिए जहां सामाजिक न्याय, समान अवसर, अच्छी शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, पर्यावरण संरक्षण और मानवीय गरिमा सुनिश्चित हो।'

रोहित बने अग्रवाल युवा संघ के अध्यक्ष व विनायक बने सचिव

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय अग्रवाल समाज कर्नाटक की शाखा अग्रवाल युवा संघ की नई कार्यकारिणी समिति का गठन एक होटल में समाज के अध्यक्ष सुभाष बंसल, सचिव सतीश गोयल, कोषाध्यक्ष अंकित मोदी की उपस्थिति में हुआ। नई कमेटी में रोहित केडिया को एक बार पुनः अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। सचिव विनायक बजाज, साहिल केडिया, रोशन सुल्तानिया, गौरव अग्रवाल, प्रितेश गर्ग को उपाध्यक्ष, कमल बंसल को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने अपने विचार व्यक्त करते हुए साथ मिलकर कार्य करने की बात कही। महिला शाखा की अध्यक्ष नीरु तायल ने नई टीम को शुभकामनाएं दी।

'वंदे मातरम' गाकर लिया राष्ट्रीय एकता का संकल्प

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। बीएसएफ के सब्सिडियरी ट्रेनिंग सेंटर (एसटीसी) में 14 अगस्त को 'वंदे मातरम' का सामूहिक गायन हुआ। यह कार्यक्रम केंद्रीय गृह मंत्रालय और बीएसएफ के फ़ोर्स हेडक्वार्टर के निर्देशों के अनुसार आयोजित किया गया। कार्यक्रम में एसटीसी बीएसएफ बेंगलूरु के महानिरीक्षक दिनेश कुमार यादव मुख्य अतिथि थे। इसमें बीएसएफ अधिकारियों, एसओएस, ओआर और एसटीसी बीएसएफ बेंगलूरु और एफटीआर मुख्यालय ओडिशा के प्रशिक्षुओं के अलावा कॉलेज के 200 से ज्यादा छात्रों, एसवीसीई के संकाय सदस्यों और बीएसएफ कर्मियों ने शिरकत की।

दिनेश कुमार यादव ने समारोह को संबोधित करते हुए 'वंदे मातरम' के ऐतिहासिक महत्त्व पर प्रकाश डाला और इस बात पर ज़ोर दिया कि इसे सामूहिक रूप से गाना केवल एक औपचारिक गतिविधि नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय एकता, देशभक्ति और देश के लिए प्रतिबद्धता की एक सशक्त अभिव्यक्ति है। इस अवसर पर सबने एकता, अखंडता, अनुशासन और राष्ट्रसेवा के मूल्यों को बनाए रखने का संकल्प लिया।

दपरे के बेंगलूरु मंडल ने स्वतंत्रता दिवस मनाया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। दक्षिण पश्चिम रेलवे के बेंगलूरु मंडल ने एमजी रेलवे कॉलोनी के रेलवे ग्राउंड में 80वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। मंडल रेल प्रबंधक आशुतोष कुमार सिंह ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और रेलवे सुरक्षा बल, छात्रों, स्काउट्स एंड गाइड्स की परेड का निरीक्षण किया। स्कूली बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। आशुतोष कुमार सिंह ने अपने संबोधन में सुरक्षा, बुनियादी ढांचे, संचालन, यात्री सेवाओं, डिजिटलीकरण और स्थिरता के क्षेत्रों में मंडल की प्रमुख उपलब्धियों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि 161 किमी लंबे येलहंका-धर्मावरम रूट पर सेक्शनल स्पीड को बढ़ाकर 130 किमी प्रति घंटा कर दिया गया है। नौ लेवल क्रॉसिंग हटाए गए हैं, 13 रोड अंडर ब्रिज शुरू किए गए हैं और लगभग 174 किमी की सुरक्षा फेंसिंग का काम पूरा हो गया है।

उन्होंने कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत मंडल में 18 स्टेशनों का विकास किया जा रहा है। इसके अलावा बेंगलूरु कैंटोनमेंट स्टेशन को 485 करोड़ रुपए की लागत से फिर से विकसित किया जा रहा है। यशवंतपुर स्टेशन को 378 करोड़ रुपए की लागत से विकसित किया जा रहा है। बाद में, 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। दपरे महिला कल्याण संगठन (एसडब्ल्यूआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ) ने रेलवे अस्पताल में मरीज़ों को फल, ब्रेड और अन्य पौष्टिक खाद्य पदार्थ बांटे।

कार्यक्रम में अतिरिक्त मंडल प्रबंधक परीक्षित मोहनपुरिया और प्रवीण कतारकी, वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त श्रेयांस चिंचवाड़े, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी उमा शर्मा, एसडब्ल्यूआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ की बेंगलूरु मंडल अध्यक्ष रीना सिंह, वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी, उनके परिजन और अनेक लोग मौजूद थे।

ज्वाला लक्ष्मी मंदिर में सजा माता का दरबार

बेंगलूरु। शहर के आरटीनगर के मंजुनाथ लेआउट स्थित श्री संजीवनी ज्वाला लक्ष्मी मंदिर में ज्वालामालिनी के गहन साधक गुरु सत्यज्वालाजी के पावन सान्निध्य में विमल शान्ति महिला मंडल श्रीरामपुरम-लक्ष्मीनारायणपुरम द्वारा ज्वालामालिनी माताजी की भक्ति एवं पूजन किया गया। इस महिला मंडल ने माता के दरबार में भक्तिगीतों की बौछार लगा दी। चन्द्रप्रभु अधिष्ठायिका दुःख नाशक सुखकार, लाखों स्वर्गों से भला ज्वाला तेरा दरबार...।' इस अवसर पर भक्तिरस में डूबे मंडल ने मंदिर परिसर में उपस्थित श्रावक श्राविकाओं का मन मोहा। गुरु सत्यजवाला ने अपने उद्बोधन में ज्वालामालिनी माता की असीम महिमा का वर्णन करते हुए कई प्रेरक

दृष्टांत सुनाए। उपस्थित श्रावक श्राविकाओं ने माताजी की आरती एवं ज्योत का लाभ लिया। भक्तों द्वारा जलाए गए नवदीपों की रोशनी से मां का दरबार जगमगा उठा। महिला मंडल से संतोष संघवी, चन्दा कोठारी, भारती छाजेड़, संगीता श्रीमाल, संतोष बरलोटा, संगीता जारसुथा, कल्याणी बोहरा एवं शहर के विभिन्न क्षेत्रों से आए श्रावक-श्राविकाओं में कांतिलाल सकलेचा, महावीर जैन, निर्मल रांका, विमल जैन, वंदना छाजेड़, निर्मला बाफना, इन्द्रा सकलेचा, पुष्पाबेन, मधुबेन, सारिका बेन सहित अनेक की उपस्थिति थी।

मुमुक्षु कांतिलाल गांधी 'स्वाध्याय सेवा शिखर सम्मान' से सम्मानित

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। यहां मुमुक्षु वरिष्ठ स्वाध्यायी कांतिलाल गांधी का कर्नाटक जैन स्वाध्याय संघ बेंगलूरु द्वारा गुरु ज्येष्ठ पुष्कर भवन में अभिनंदन किया गया। साध्वी श्री सत्यप्रभाजी के सान्निध्य में आयोजित समारोह में कांतिलाल गांधी की दीर्घकालीन सेवाओं एवं संयम पथ की भावनाओं का अनुमोदन करते हुए स्वाध्याय सेवा शिखर सम्मान प्रदान किया गया। साध्वी मंडल ने संयम जीवन की महत्ता समझाई।

स्वाध्याय संघ के संयोजक शांतिलाल बोहरा, मंत्री मीठालाल पटवा, पर्युषण सेवा सहचेयमैन महावीरचन्द गुलेच्छा ने कांतिलाल की सेवाओं की प्रशंसा कर उन्हें प्रशस्ति पत्र भेंट किया। अध्यक्ष भंवरलाल कवाड़ ने अभिनंदन किया।

स्वाध्यायी रत्न विमलचंद धारीवाल एवं उपस्थित पदाधिकारियों और स्वाध्यायी सदस्यों ने शाल ओढ़ाकर, माल्यार्पण करते हुए स्मृति चिन्ह प्रदान किया।

सीआईआईएल ने मनाया स्वतंत्रता दिवस

मैसूरु/दक्षिण भारत। सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ़ इंडियन लैंग्वेजेज़ (सीआईआईएल) ने 80वां स्वतंत्रता दिवस बहुत उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया। संस्थान के निदेशक प्रो. बसवराज कोडागुंती ने शुभकामनाएं दीं और समारोह को संबोधित किया। उन्होंने सेवा व निष्ठा के माध्यम से देश के विकास में योगदान की सामूहिक ज़िम्मेदारी पर ज़ोर दिया।

स्वतंत्रता दिवस

जीतो बेंगलूरु साउथ चैप्टर और जेएटीएफ बल्डोटा गर्ल्स हॉस्टल ने यहां जेसी रोड स्थित हॉस्टल परिसर में स्वतंत्रता दिवस बड़े उत्साह और राष्ट्रीय भावना के साथ मनाया। मुख्य अतिथि प्रमोद भंडारी (पर्ल ग्रेनाइट्स एवं पूर्व निदेशक, जीतो एपेक्स) ने ध्वजारोहण किया। इस मौके पर जीतो बेंगलूरु साउथ के अध्यक्ष रणजीत सोलंकी, उपाध्यक्ष एवं हॉस्टल संयोजक राजकुमार कोठारी, उपाध्यक्ष महेन्द्र जियानी, सचिव कोमल भंडारी सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

गणवेश वितरण

बेंगलूरु यहां मेवाड़ जैन बीसा ओसवाल संघ कर्नाटक की युवा शाखा श्री मेवाड़ जैन बीसा ओसवाल युवा संगठन ने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर मानव सेवा के अंतर्गत सरकारी प्राथमिक विद्यालय चिक्कजाला में 260 विद्यार्थियों को स्कूली गणवेश एवं लड्डु का वितरण किया। अध्यक्ष प्रकाश बाबेल ने प्रायोजक पुखराज स्नेहलता बाफना परिवार का स्वागत किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में संगठन के सदस्य उपस्थित थे।

सूर्यपथ तिरंगा : 80वें स्वतंत्रता दिवस पर फिजी से सैन फ्रांसिस्को तक तिरंगे की वैश्विक यात्रा पूरी

नई दिल्ली/भाषा। देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपनी तरह का पहला अभियान 'सूर्यपथ तिरंगा' शनिवार को आयोजित किया गया जिसमें पूर्व से पश्चिम तक 50 से अधिक भारतीय दूतावासों ने हिस्सा लिया। इसके तहत तिरंगे की तस्वीरों को अलग-अलग टाइम जोन में डिजिटल रूप से प्रसारित किया गया। अधिकारियों ने बताया कि इस अनूठी वैश्विक यात्रा की शुरुआत फिजी की राजधानी सुवा स्थित भारतीय उच्चायोग से हुई और अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास पर इसका समापन हुआ। इस अभियान में विभिन्न देशों और महाद्वीपों के 54 भारतीय दूतावास और केंद्र जुड़े। इस तरह सूर्य की गति को दुनिया भर में तिरंगे की प्रतीकात्मक यात्रा से जोड़ा गया।

अधिकारियों ने बताया कि 'सूर्यपथ तिरंगा' के तहत 19 घंटे से अधिक समय तक लगातार ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस क्रम ने प्रशांत क्षेत्र, एशिया, अफ्रीका, यूरोप और अमेरिका को एक सूत्र से जोड़ दिया। संस्कृति मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत शुरू की गई इस विशेष पहल ने दुनिया भर में भारत के राष्ट्रीय ध्वज और स्वतंत्रता दिवस की भावना को पहुंचाया। यह यात्रा भारतीय समयानुसार देर रात 1.30 बजे फिजी से शुरू होकर रात 8.30 बजे सैन फ्रांसिस्को पहुंची और सूर्य के उगने की दिशा का अनुसरण करती रही। अभियान की शुरुआत सुवा से हुई। इसके बाद यह न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया, जापान, दक्षिण कोरिया, चीन, इंडोनेशिया, वियतनाम, सिंगापुर, मलेशिया, थाईलैंड, म्यांमा, बांग्लादेश, भूटान, नेपाल, श्रीलंका और मालदीव से होते हुए यह आगे बढ़ा। इसके बाद तिरंगे की यह प्रतीकात्मक यात्रा मध्य और पश्चिम एशिया के देशों से होकर गुजरी जिनमें उज्बेकिस्तान, ओमान, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, कुवैत और सऊदी अरब शामिल हैं। इसके बाद अभियान अफ्रीका और यूरोप तक पहुंचा। अधिकारियों ने कहा कि हर दूतावास में तिरंगा फहराया जाना इस वैश्विक उत्सव की एक नई कड़ी बना। इन सभी कार्यक्रमों में 'वंदे मातरम' और राष्ट्रगान का सामूहिक गायन भी किया गया। फिजी में भारत के उच्चायोग ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, सूरज की पहली किरणों के साथ, फिजी के सुवा में सबसे पहले भारतीय झंडा फहराया गया। इसके साथ ही ग्लोबल तिरंगा रिले 'सूर्य पथ तिरंगा' की शुरुआत हुई ।

प्रधानमंत्री मोदी, भाजपा के शीर्ष नेताओं ने वाजपेयी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेताओं ने रविवार को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी और देश की प्रगति में उनकी अतुलनीय भूमिका को याद किया। मोदी और भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन समेत पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने राष्ट्रीय राजधानी में यमुना किनारे स्थित वाजपेयी के समाधि स्थल सदैव अटल' पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले में वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण किया। दिल्ली सरकार ने कम आय वाले परिवारों को स्वच्छ और रियायती दर पर भोजन उपलब्ध कराने के लिए 25 नई अटल कैंटीन' शुरू की।

वाजपेयी का जन्म 25 दिसंबर 1924 को मध्यप्रदेश के ग्वालियर में हुआ था और उन्होंने 16 अगस्त 2018 को नई दिल्ली में अंतिम सांस ली। वह प्रधानमंत्री बनने वाले भाजपा के पहले नेता थे। मोदी ने वाजपेयी को असाधारण राजनेता बताया, जिन्होंने अपना जीवन राष्ट्र की सेवा के लिए समर्पित कर दिया। प्रधानमंत्री ने कहा, अटल जी को उनकी पुण्यतिथि पर याद कर रहा हूं। वह एक असाधारण राजनेता थे, जिनकी दूरदृष्टि अद्भुत थी। उन्होंने अपना जीवन हमारे राष्ट्र की सेवा के लिए समर्पित कर दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि वाजपेयी के शब्दों और प्रयासों ने पीढ़ियों को प्रेरित किया तथा उनके नेतृत्व ने देश को मजबूत किया। मोदी ने कहा, सुशासन और जनकल्याण पर उनका जोर हमेशा हमारा मार्गदर्शन करता रहेगा।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी वाजपेयी के समाधि स्थल पर उन्हें श्रद्धांजलि दी और कहा कि उनके नेतृत्व में भारत ने आर्थिक और

सामाजिक विकास के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां हासिल कीं। सिंह ने कहा, भारत की प्रगति में उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। उनका व्यक्तित्व, आदर्श और राष्ट्र सेवा के प्रति अटूट समर्पण हमेशा हमारे लिए प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा। भाजपा अध्यक्ष नवीन ने भी वाजपेयी के समाधि स्थल पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा, ''अटल जी एक महान राजनेता और दूरदर्शी नेता थे। उनका पूरा जीवन राष्ट्रसेवा, ईमानदारी और सुशासन के प्रति समर्पित रहा। उनके आदर्श राष्ट्र निर्माण की दिशा में हमारा हमेशा मार्गदर्शन करते रहेंगे।''

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में वाजपेयी की प्रतिमा पर फूल चढाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। योगी ने कहा, अटल जी जितने सहज और सरल थे, अपने संकल्प के प्रति उतने ही दृढ़ थे। कारगिल संघर्ष के दौरान दुनिया ने उनके दृढ़ निश्चय और मजबूत इरादों को देखा। उनकी पावन स्मृतियों को नमन।'' केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि ''वाजपेयी करोड़ों कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कहा, एक कुशल संगठनकर्ता के रूप में अटल जी का विचारधारा और सिद्धांतों से जुड़ा जीवन हमेशा राष्ट्र को समर्पित रहा।'' केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री और भाजपा के संस्थापक वाजपेयी करोड़ों कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कहा, ''मैं उन्हें अपनी गहरी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए उन्होंने सुशासन, विकास और राष्ट्रीय गौरव की जो मजबूत नींव रखी, वह हमेशा हमारा मार्गदर्शन करती रहेगी।'' दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भी वाजपेयी के समाधि स्थल पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। गुप्ता ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री ने उनके जैसे अनगिनत कार्यकर्ताओं में राष्ट्रसेवा, संगठनात्मक अनुशासन और सार्वजनिक जीवन की गरिमा के संस्कार विकसित किए।

'एजेंडा मोदी को बचाना है, महिलाओं का आरक्षण नहीं'

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विपक्षी दलों से महिलाओं को आरक्षण देने के लिए परिसीमन से जुड़े विधेयक का समर्थन करने की अपील को ''नाटक'' करार दिया और आरोप लगाया कि उनका एकमात्र एजेंडा मोदी को बचाना है, महिलाओं का आरक्षण नहीं। कांग्रेस महासचिव (संचार प्रभारी) जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री मोदी की अपील की मंशा पर सवाल उठाया और कहा कि उन्हें लाल किले से ''उपदेश देने'' के बजाय 2029 के लोकसभा चुनाव के लिए मौजूदा लोकसभा की सदस्य संख्या के आधार पर ही महिलाओं को आरक्षण लागू करना चाहिए। प्रधानमंत्री के स्वतंत्रता दिवस पर संबोधन में विपक्षी दलों से की गई अपील के बारे में सवाल पर रमेश ने कहा कि घटनाक्रम को समझना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि 1993 में 73वें और 74वें संविधान संशोधन विधेयक पारित किए गए थे, जिनमें पंचायतों, जिला परिषदों, प्रखंड पंचायतों और नगरपालिकाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण का प्रावधान किया गया था।

रमेश ने कहा कि राजीव गांधी ने इसके लिए जमीनी स्तर पर काम किया था और संविधान में इस प्रावधान को शामिल कराने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी। उन्होंने कहा, सितंबर 2023 में नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 सर्वसम्मति से पारित किया गया था। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे जी ने स्पष्ट रूप से कहा था कि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण तत्काल लागू किया जाना चाहिए। रमेश ने कहा कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल बार-बार मांग करते रहे हैं कि महिलाओं के लिए आरक्षण लोकसभा की मौजूदा 543 सदस्यीय संख्या के आधार पर लागू किया जाए। इसका मतलब है कि महिलाओं के लिए 182 सीटें आरक्षित की जाएं। उन्होंने कहा कि अचानक, 16 अप्रैल 2026 को रात 11 बजे, जब संसद में परिसीमन के मुद्दे पर विचार-विमर्श चल रहा था, नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 को अधिसूचित कर दिया गया। रमेश ने कहा कि सरकार की दिलचस्पी केवल महिलाओं के आरक्षण को परिसीमन से जोड़ने में है। उन्होंने कहा कि सरकार दागी ''दो-तिहाई बहुमत'' हासिल करने की कोशिश कर रही है, लेकिन उसे सफलता नहीं मिली और परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक को मानसून सत्र में भी पेश नहीं किया जा सका। रमेश ने कहा, ''उनके पास दो-तिहाई बहुमत नहीं है और उन्हें यह बहुमत कभी नहीं मिलेगा।''

प.बंगाल में कारोबारी के बेटे के अपहरण के आरोप में भाजपा नेता गिरफ्तार

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के कूचबिहार जिले में माल लदे वाहनों से रंगदारी वसूलने और कारोबारी के परिवार से मांगी गई रकम नहीं देने पर उसके बेटे का अपहरण करने के आरोप में भाजपा के एक नेता को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान भाजपा के तुफानगंज-4 मंडल उपाध्यक्ष विश्वजीत तालुकदार के रूप में हुई है। पड़ोसी अलीपुरद्वार जिले के कारोबारी ने बक्सीरहाट थाने में तालुकदार के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि आरोपी ने उससे रंगदारी की मांग की और मांग पूरी नहीं होने पर उसके बेटे का अपहरण कर लिया।

अधिकारियों ने बताया कि तालुकदार को शुक्रवार देर रात तुफानगंज स्थित उसके आवास से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने कहा कि आरोपी पर पश्चिम बंगाल और असम को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग से गुजरने वाले मालवाहक वाहनों तथा पत्थर लदे डंपरों से नियमित रूप से पैसे वसूलने का भी आरोप है। इन आरोपों को लेकर भाजपा के भीतर से भी आलोचना सामने आई है। स्थानीय भाजपा नेता कमल दास ने आरोप लगाया कि तालुकदार मछली, मुर्गी और सुपारी समेत अन्य सामान ले जाने वाले वाहनों से पैसे वसूलता था। दास ने कहा, हम ऐसा नेता नहीं चाहते जो पार्टी के नाम पर रंगदारी वसूलता हो। उसे सजा मिलनी चाहिए। भाजपा के कूचबिहार जिला उपाध्यक्ष बिराज बसु ने कहा कि पार्टी किसी भी कार्यकर्ता के अनैतिक गतिविधियों में शामिल पाए जाने पर उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने पार्टी कार्यकर्ताओं को रंगदारी वसूली के खिलाफ कई बार चेतावनी दी है। हाल में उन्होंने स्वीकार किया था कि पार्टी ऐसी गतिविधियों को पूरी तरह खत्म करने में सफल नहीं हो पाई है।

देशभक्ति से जुड़ी हर चीज का विरोध करना 'कांग्रेस की नीति': वंदे मातरम् के 'अपमान' को लेकर भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को आरोप लगाया कि देशभक्ति से जुड़ी किसी भी चीज का विरोध करना कांग्रेस की नीति है और सवाल किया कि भारत की संप्रभुता और अखंडता में विश्वास रखने वाला कोई व्यक्ति स्वतंत्रता दिवस पर 'वंदे मातरम' गाने से क्या 'नाराज' होगा। सत्तारूढ़ दल भाजपा ने मांग की कि यदि कांग्रेस में जरा भी देशभक्ति है तो वह राष्ट्रगीत के ''अपमान'' के लिए 24 घंटे के भीतर सार्वजनिक रूप से माफी मांगे। इस टिप्पणी से पहले भाजपा ने आरोप लगाया था कि शनिवार को पार्टी के स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान वंदे मातरम गाए जाने पर कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी, राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे ने उसके प्रति घोर 'अनादर' दिखाया।

कांग्रेस ने यह कहते हुए इस आरोप को खारिज किया कि राष्ट्र गीत का पूरा संस्करण गाने से रोकने की कोई कोशिश नहीं की गई थी, बल्कि सोनिया गांधी सिर्फ पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे के लिए कुर्सी मांग रही थीं, क्योंकि वह कुछ समय से खड़े थे।

पार्टी प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने यहां एक प्रेसवार्ता में कहा कि स्वतंत्रता दिवस पर राहुल और सोनिया गांधी द्वारा वंदे मातरम का विरोध दिमागी 'नक्सल समर्थन तंत्र' वाली मानसिकता को दर्शाता है। उन्होंने कहा, क्या कोई देशभक्त, कोई भी भारतीय जो भारत के संविधान में विश्वास रखता हो, तिरंगे का सम्मान करता हो, भारत के स्वतंत्रता सेनानियों का सम्मान करता हो और भारत की संप्रभुता और अखंडता में यकीन रखता हो, वह कभी स्वतंत्रता दिवस पर वंदे मातरम गाने से नाराज़ हो सकता है? भंडारी ने कहा, ''कांग्रेस ने न सिर्फ आजादी की लड़ाई लड़ने वालों का ही नहीं, बल्कि देश के संविधान, उसकी संप्रभुता और अखंडता एवं देश के 140 करोड़ लोगों का भी अपमान किया है।'' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस समारोह में लालकिला की प्राचीर से अपने संबोधन में व्यवस्था में घुसपैठ कर चुके 'दिमागी नक्सलियों' के ख़िलाफ चेतावनी दी थी और लोगों से उन्हें पहचानने एवं अलग-थलग करने की अपील की थी। भंडारी ने आरोप लगाया कि सोनिया गांधी ने कांग्रेस मुख्यालय में 'वंदे मातरम' गायन को रोकने का इशारा किया और बाद में जब यह जारी रहा तो उन्होंने नाराज़गी जताई। उन्होंने कहा, अगर आप वीडियो को ध्यान से देखें, तो जब कांग्रेस पार्टी मुख्यालय में वंदे मातरम' गाया जा रहा था, तब सोनिया गांधी ने हाथ से इशारा करके उन्हें रुकने के लिए कहा। उन्होंने इशारा किया कि कांग्रेस पार्टी मुख्यालय में 'वंदे मातरम' का गायन रोक दिया जाना चाहिए। भाजपा प्रवक्ता ने कहा, ''जब उनकी (सोनिया गांधी की) बात नहीं सुनी गई, तो उन्होंने दूसरी बार इशारा किया और कहा कि इसे रोका जाना चाहिए।''

भंडारी ने दावा किया कि 'वंदे मातरम' गाए जाने के बाद राहुल गांधी को यह कहते हुए सुना जा सकता था कि हमें वंदे मातरम गाने की जरूरत नहीं है। भाजपा प्रवक्ता ने मीडिया के सामने एक कथित ऑडियो क्लिप भी चलाई।

'वंदे मातरम' विवाद को लेकर सोनिया गांधी माफी मांगें : बंकिम चंद्र के वंशज सुमित्रो चटर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता और बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के वंशज सुमित्रो चटर्जी ने कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी से मांग की है कि वह स्वतंत्रता दिवस पर कांग्रेस मुख्यालय में हुई 'वंदे मातरम' के गायन से जुड़ी कथित घटना को लेकर बिना शर्त माफी मांगें। चटर्जी ने दावा किया कि कांग्रेस मुख्यालय में वंदे मातरम' का पूरा संस्करण गाए जाने को लेकर असहजता नजर आई और इसे रोकने के बार-बार प्रयास किए गए। चटर्जी ने गांधी को लिखे पत्र में कहा कि 15 अगस्त को जब देश अपना 80वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा था, तब हुई कथित घटना न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि एक ऐतिहासिक भूल का शर्मनाक दोहराव भी है।

नैहाटी से विधायक चटर्जी ने कहा कि वह एक सामान्य नागरिक, देशभक्त और बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के वंशज के रूप में यह पत्र लिख रहे हैं। उन्होंने इस घटना को लेकर ''गहरा दुख, खालीपन और आक्रोश'' व्यक्त किया। चटर्जी ने श्री अरविंद के इस कथन का उल्लेख किया कि इस मंत्र ने राष्ट्र को देशभक्ति के ''धर्म'' की दीक्षा दी थी और कहा कि स्वतंत्र भारत की धरती पर 'वंदे मातरम' को पूरा गाने में कथित हिचक खुदीराम बोस जैसे शहीदों के बलिदान का अपमान है। उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में इस गीत की भूमिका का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि सरला देवी चौधरानी ने 1905 में कांग्रेस के बनारस अधिवेशन में इसे गाया था, बाल गंगाधर तिलक के समर्थकों ने 1909 में उन पर राजद्रोह के मुकदमे के दौरान इसका गायन किया था और हैदराबाद के उस्मानिया विश्वविद्यालय में राष्ट्रवादी विद्यार्थियों ने 1938 में निजाम की पाबंदियों के बावजूद इसे अपने आंदोलन का नारा बनाया था। चटर्जी ने 1896 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में रवीन्द्रनाथ टैगोर द्वारा इस गीत की प्रस्तुति का भी उल्लेख किया।

राहुल ने मोदी के 'हिंसक शासन' के खिलाफ खड़े होने के लिए युवाओं की सराहना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ''हिंसक शासन'' के खिलाफ जिस साहस के साथ भारत के युवाओं ने मजबूती से डटे रहने का परिचय दिया है, वह सराहनीय है। उन्होंने ''भाजपा के गुंडों'' द्वारा दुर्व्यवहार, ''गाली-गलौज और हिंसा'' का सामना करने वाली लड़कियों की भी सराहना की। गांधी ने उन छात्रों के साथ अपनी बातचीत का एक वीडियो सोशल मीडिया पर साझा जिन्होंने पिछले महीने प्रश्नपत्र लीक के मुद्दे पर तत्कालीन शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया था। छात्रों को प्रदर्शन के दौरान 20 जुलाई को कथित तौर पर पुलिस की ज्यादती का सामना करना पड़ा था।

गांधी ने छात्रों की बातें सुनीं, जिन्होंने अपनी आवाज उठाने के बाद पुलिस की कथित बर्बरता और उत्पीड़न का सामना करने के अपने अनुभव साझा किए। गांधी और छात्रों के बीच यह बातचीत इस महीने की शुरुआत में हुई थी।

कांग्रेस नेता गांधी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''भारत के युवाओं ने मोदी जी के हिंसक शासन के सामने जिस साहस और मजबूती से खड़े होकर जवाबदेही की मांग की, वह काबिल-ए-तारीफ है।''

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष गांधी ने कहा कि छात्रों ने शांति, मोहब्बत और हंसी-मजाक के साथ अपनी आवाज बुलंद की। उन्होंने कहा, मुझे हर एक युवा पर गर्व है-- खासकर उन लड़कियों पर, जिन्हें भाजपा के गुंडों की बदसलूकी, गाली-गलौज और हिंसा का सामना करना पड़ा, यहां तक कि उन्हें प्रधानमंत्री से माफी मांगने के लिए मजबूर किया गया। लेकिन अब उनकी आवाज दबाई नहीं जा सकेगी। गांधी ने कहा कि 22 अगस्त को छात्रों के साथ संवाद का कार्यक्रम छात्रों की गूंज' पुणे पहुंचेगा और इस बार यह कार्यक्रम विशेष रूप से छात्राओं के लिए होगा। उन्होंने कहा, ''अब लड़कियां बोलेंगी, देश सुनेगा।'' गांधी ने पांच अगस्त को छात्रों से मुलाकात के बाद एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया था। उनके साथ मीडिया के सामने आए पांच छात्रों में मॉडल रिया अहीर भी शामिल थीं। छात्र प्रदर्शनों के दौरान मुंबई में एक पुलिस वैन के सामने खड़े होकर उसे रोकने की रिया की तस्वीर सोशल मीडिया पर प्रसारित हुई थी। रिया ने ऑनलाइन उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए पुलिस का रुख किया है।

'वंदे मातरम' पूरा नहीं गाना राष्ट्रवाद और बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय का अपमान : शुभेंदु अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने रविवार को कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी की आलोचना करते हुए कहा कि वंदे मातरम' को पूरा न गाना राष्ट्रवाद और इस गीत के रचयिता बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय का अपमान है। राज्य में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आरोप लगाया कि कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने राष्ट्रीय राजधानी स्थित पार्टी मुख्यालय में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में 'वंदे मातरम' के पूर्ण गायन पर आपत्ति जताई थी। कांग्रेस ने हालांकि इस आरोप से इनकार किया।

पार्टी ने कहा कि राष्ट्रगीत के पूर्ण गायन को रोकने की कोई कोशिश नहीं की गई थी और सोनिया गांधी केवल पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के लिए कुर्सी मांग रही थीं, क्योंकि वह काफी देर से खड़े थे। शुभेंदु ने यहां राज्य सचिवालय में संवाददाताओं से कहा, मैं कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी द्वारा पार्टी कार्यालय में वंदे मातरम' के गायन पर आपत्ति जताने की निंदा करता हूं। यह राष्ट्रवाद, देशभक्ति और सबसे बढ़कर 'वंदे मातरम' के रचयिता बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय का अपमान है। उन्होंने कांग्रेस पर एक विशेष वोट बैंक को खुश करने के लिए तुष्टीकरण की परकाष्ठा तक राजनीति करने का आरोप लगाया और इस मुद्दे पर विपक्षी पार्टी से माफी की मांग की।

मुख्यमंत्री ने कहा, पूरा बंगाल गुस्से में है। कांग्रेस कुछ भी छिपा नहीं सकती। पूरे देश ने देखा कि जब वंदे मातरम' गाया जा रहा था, तब सोनिया गांधी साफ तौर पर नाराज थीं। सब कुछ रिकॉर्ड में है। उन्होंने यह भी कहा कि संसद ने वंदे मातरम' के गायन को लेकर कानून बनाया है। पिछले महीने संसद ने एक विधेयक पारित किया, जिसके तहत राष्ट्रगीत का किसी भी तरह से अपमान करना दंडनीय अपराध होगा।

वाराणसी हवाई अड्डे पर जांच के दौरान यात्री के पिस्तौल से गोली चली, दो घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी/नई दिल्ली/भाषा। उत्तर प्रदेश में वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के टर्मिनल भवन में रविवार सुबह जांच के दौरान एक यात्री की लाइसेंसी पिस्तौल से कथित तौर पर गलती से चली गोली से एक महिला कर्मचारी और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गए। नागर विमानन मंत्रालय ने यह जानकारी दी।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस)इस घटना से जुड़ी परिस्थितियों की जांच कर रहा है, जिसमें हवाई अड्डों पर लाइसेंस वाले हथियारों को ले जाने के लिए तय प्रक्रियाओं का पालन करना भी शामिल है। मंत्रालय ने बताया कि जांच के नतीजों के आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी। मंत्रालय के मुताबिक, दोनों घायलों को इलाज के लिए ले जाया गया, स्थानीय पुलिस को तुरंत सूचना दी गई और यात्री को जांच के लिए हिरासत में ले लिया गया है। मंत्रालय के अनुसार, घटना के तुरंत बाद स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया और हवाई अड्डे पर परिचालन बिना किसी रुकावट के जारी है। पुलिस ने बताया कि मुंबई जाने वाली एअर इंडिया एक्सप्रेस से यात्रा करने के लिए आजमगढ़ निवासी कमलेश राय पत्नी के साथ हवाई अड्डे पहुंचे थे। उनके पास लाइसेंसी पिस्तौल थी। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान पिस्टल की जांच और उसमें मौजूद कारतूस की गिनती की जा रही थी, तभी अचानक गोली चल गयी। उन्होंने बताया कि इस घटना में जांच कर रही महिला कर्मचारी के पैर में और पास खड़े एक अन्य व्यक्ति घायल हो गये, दोनों घायलों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने बताया कि मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। इस बीच, ''एक बयान में वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे (बाबतपुर) के निदेशक पुनीत गुप्ता ने कहा, आज, 16 अगस्त 2026 को सुबह लगभग साढ़े नौ बजे, उड़ान आईएक्स-1810 से पत्नी के साथ मुंबई जा रहे एक यात्री ने विमान में ले जाने के लिए एक हथियार की जानकारी दी।'' गुप्ता ने बयान में कहा, हथियार की जांच के दौरान, गलती से एक गोली चल गई, जिससे एएआई कार्गो लॉजिस्टिक्स एंड अलाइड सर्विसेज कंपनी लिमिटेड के दो कर्मचारी घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए न्यू लक्ष्मी ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया। स्थानीय पुलिस को सूचित कर दिया गया है और जांच जारी है। गोमती जोन के पुलिस उपायुक्त के बयान के अनुसार, यात्री की पहचान आजमगढ़ जिले के निवासी कमलेश राय के तौर पर हुई। घटना की जानकारी मिलने पर, पुलिस उपायुक्त (गोमती जोन) और सहायक पुलिस आयुक्त (पिंडरा) समेत पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी और अन्य पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे।

'दिमागी नक्सली' होने पर गर्व है : प्रधानमंत्री की टिप्पणी पर चिदंबरम का पलटवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 'दिमागी नक्सल' संबंधी टिप्पणी को लेकर उन पर कटाक्ष करते हुए रविवार को कहा, ''मुझे दिमागी नक्सली होने पर गर्व है।'' चिदंबरम की यह टिप्पणी मोदी द्वारा देश को ''दिमागी नक्सलियों'' से आगाह किए जाने के एक दिन बाद आई है।

प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया था कि ऐसे लोगों ने व्यवस्था में अपनी पैठ बना ली है और वे नीतियों को प्रभावित करके समाज के लिए खतरा बने हुए हैं। मोदी ने नागरिकों से ऐसे लोगों की पहचान करने और उन्हें ''अलग-थलग करने'' का आग्रह किया था। प्रधानमंत्री ने 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से कहा था कि देश 'हथियारी नक्सलवाद' को जंगलों से खत्म करने में सफल रहा है, लेकिन उसके वैचारिक समर्थक हिंसा और अराजकता को बढ़ावा देने के अवसर तलाश रहे हैं। प्रधानमंत्री पर पलटवार करते हुए चिदंबरम ने एक्स' पर कहा, मुझे दिमागी नक्सली होने पर गर्व है। मोदी ने अपने संबोधन में कहा था, ''माओवादी सोच वाले लोगों ने वर्षों तक सत्ता के गलियारों में अपनी जगह बना रखी थी। उन्होंने सरकारी समितियों में सलाहकार के रूप में काम किया और सार्वजनिक नीतियों को प्रभावित किया।'' प्रधानमंत्री ने कहा था कि इस चुनौती को कम करके नहीं आंका जाना चाहिए तथा अधिक सतर्क रहने की जरूरत है।

सुविचार

ईमानदारी सबसे बड़ी ताकत है।सत्य का मार्ग अपनाएं,भले कठिन लगे,लेकिन अंत में सम्मान दिलाता है, और विश्वास भी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

युवा शक्ति को मोदी का तोहफा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर युवाओं के लिए मुफ्त ऑनलाइन कोचिंग सुविधा की घोषणा कर लाखों परिवारों को राहत दी है। इस घोषणा का विशेष महत्त्व है, क्योंकि यह लाल किले की प्राचीर से की गई है। देश में लाखों युवा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। वे सफलता के लिए दिन-रात मेहनत करते हैं। चूंकि ज्यादातर अच्छे कोचिंग संस्थान बड़े शहरों में हैं, इसलिए गांव-ढाणियों और कस्बों के बच्चों को अपना घर छोड़कर शहर जाना पड़ता है। इन शहरों के कई इलाके कोचिंग संस्थानों की वजह से अपनी पहचान बना चुके हैं। दूर-दराज से आने वाले युवाओं को यहां रहने, आने-जाने में बहुत दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। प्राय: ऐसे इलाकों में मकान किराया बहुत ज्यादा होता है। खाने का सामान महंगा मिलता है। सुबह कोचिंग संस्थान जाते हैं तो बसें पहले से ही भरी हुई मिलती हैं। गंतव्य तक पहुंचते-पहुंचते आधी ऊर्जा खत्म हो जाती है। वहां पढ़ाई कर वापसी में फिर वही संघर्ष शुरू हो जाता है। घर-परिवार से दूर रहने पर अकेलापन महसूस होने लगता है। जब कभी निराशा घेर लेती है तो हौसला बढ़ाने वाला, अपनापन जताने वाला कोई नहीं होता है। कई युवा यह सब बर्दाश्त नहीं कर पाते हैं। वे या तो अपने घर लौटने को मजबूर हो जाते हैं या गलत कदम उठा लेते हैं। खाली हाथ गांव लौटने पर उन्हें चौतरफा व्यंग्य-बाणों का सामना करना पड़ता है। जब साधारण आर्थिक पृष्ठभूमि वाले परिवार अपने बच्चों को बड़े शहरों के कोचिंग संस्थानों में पढ़ने भेजते हैं तो उनका बजट गड़बड़ा जाता है। उन्हें ऊंची ब्याज दरों पर कर्ज लेना पड़ता है। कई परिवारों को तो इसे चुकाने में वर्षों लग जाते हैं।

प्रधानमंत्री के इन शब्दों में उन परिवारों की पीड़ा झलकती है- 'हमारे मध्यम वर्गीय परिवारों के सामने एक बहुत बड़ा बोझ बन चुकी है- कोचिंग कक्षाओं की स्पर्धा ... हजारों-करोड़ रुपए का उनका खर्च है, वह भी बचे, बेटे भी अपने आस-पास रह सकें, उनकी देखभाल हो सके, परिवार पर आर्थिक बोझ न आए और इसलिए हमने युवाओं के लिए विभिन्न परीक्षाओं की मुफ्त ऑनलाइन कोचिंग कराने का निर्णय किया है।' इस काम के लिए संसाधनों की कमी नहीं है। देश में विद्वान शिक्षक हैं। सस्ता और सुलभ इंटरनेट है। कई लोकप्रिय ऑनलाइन प्लेटफॉर्म हैं। आसान शब्दों में कहें तो ऑनलाइन कोचिंग के सफल संचालन की पूरी गुंजाइश है। हालांकि, कुछ बातों का ध्यान रखना होगा। ऑनलाइन कोचिंग की गुणवत्ता भी बहुत अच्छी होनी चाहिए। सरकारी कोचिंग की तुलना निजी कोचिंग संस्थानों से जरूर होगी। कई युवा दोनों कोचिंग को परखेंगे। सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो प्रसारित हो सकते हैं, जिनमें यह बताने की कोशिश की जाएगी कि फलां संस्थान या शिक्षक बेहतर है। अगर सरकारी कोचिंग गुणवत्ता के मामले में निजी कोचिंग से ज़रा-भी पीछे रह गई तो उसे बहुत बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया जाएगा। सरकारी अधिकारियों और शिक्षकों की जवाबदेही तय करना बहुत जरूरी है। इस बात पर ध्यान दें कि मुफ्त पढ़ाई के लिए लाखों सरकारी स्कूल देशभर में चल रहे हैं। सरकारी शिक्षकों के वेतन-भत्तों पर अरबों रुपए खर्च हो रहे हैं। सरकारी स्कूलों के नतीजों के बारे में बताने की जरूरत नहीं है। वहीं, निजी स्कूलों में शुल्क लिया जाता है। उनके शिक्षकों का वेतन कम होता है। फिर भी उनके नतीजे तुलनात्मक रूप से बेहतर होते हैं। सरकारी कोचिंग में पहले ही दिन यह सुनिश्चित करना होगा कि गुणवत्ता के मामले में कोई समझौता नहीं होगा। यह पहल सफल होने पर शिक्षा के क्षेत्र में बहुत बड़ा बदलाव लेकर आ सकती है।

ट्वीटर टॉक

देश की आज़ादी के लिए अपना सब कुछ कुर्बान करने वाले सभी स्वतंत्रता सेनानियों को कोटि-कोटि नमन। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर सभी देशवासियों को दिल से बधाई। स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों का भारत बनाने और देश की एकता रखने का संकल्प लें। जय हिंद।

-अशोक गहलोत

पूर्व प्रधानमंत्री, श्रद्धेय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की पुण्यतिथि पर, मैं उनके स्मारक स्थल 'सदैव अटल' पहुँचा और भावभीनी पुष्पांजलि अर्पित की। जीवन को देश और समाज के लिए कैसे उपयोगी बनाया जा सकता हैपूज्य अटल जी इसके लिए एक आदर्श उदाहरण हैं।

-ओम बिरला

आज अलवर के विजय नगर ग्राउंड में अलवर सरस डेयरी के नए प्लांट का शिलान्यास और अलग-अलग मिल्क यूनियनों के डेयरी प्रोसेसिंग प्लांट और कैटल फीड प्लांट का उद्घाटन केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री श्री -ाळींड्हरह जी के हाथों हुआ।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

चुनौती से पहले तैयारी

युवा एंड्रयू कार्नेगी एक टेलीग्राफ कार्यालय में संदेशवाहक के रूप में कार्य करते थे। उनका काम शहर के विभिन्न कार्यालयों और व्यापारिक संस्थानों तक संदेश पहुंचाना था। कार्नेगी ने देखा कि अधिकांश कर्मचारी केवल अपना निर्धारित काम करते हैं। लेकिन उन्होंने एक अलग आदत विकसित की। वे जिस भी कार्यालय में जाते, वहां के लोगों के नाम, उनके कार्य और रास्तों को ध्यान से याद रखते। कुछ ही महीनों में उन्हें बिना कागज़ देखे शहर की अधिकांश गलियां और प्रमुख व्यापारिक प्रतिष्ठान याद हो गए। एक दिन टेलीग्राफ ऑपरेटर अनुपस्थित था। अचानक एक महत्वपूर्ण संदेश आया। दूसरे कर्मचारी घबरा गए, क्योंकि संदेश को तुरंत दर्ज करना आवश्यक था। कार्नेगी आगे बढ़े। उन्होंने कानों से मोर्स कोड सुना और बिना लिखित सहायता के पूरा संदेश सही-सही उतार दिया। कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारी यह देखकर आश्चर्यचकित रह गए। उन्होंने पूछा, 'तुमने यह कब सीखा?' कार्नेगी ने विनम्रता से उत्तर दिया, 'जब मेरा काम समाप्त हो जाता था, तब मैं ऑपरेटर के पास खड़ा होकर उसे ध्यान से देखा करता था।' उस दिन उन्हें पहली बार बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई। यही अवसर आगे चलकर उनके जीवन की दिशा बदलने का कारण बना।

सामयिक

मीडिया पर मंडराता भरोसे का संकट

डॉ सुभाष गुप्ता

मोबाइल : 9412998711

जिस देश में अखबार में लिखे हुए शब्दों को कल तक सच का प्रमाण माना जाता था। जहां लोग किसी भी घटना या स्थिति के संबंध में अपनी बात को सही ठहराने के लिए सबसे बड़े और आखिरी तर्क के रूप में कहते आये हैं कि अमुक बात अखबार में छपी है। पूरे देश का इस मीडिया पर अटूट भरोसा था, लेकिन अब हालात बहुत बदल गये हैं। आज मीडिया के शब्दों पर कई सदियों से कायम भरोसा छीजने लगा है। अब तमाम चैनल और अखबारों के शब्दों पर आवाम विश्वास नहीं कर रहा है। लोग मीडिया के जिन शब्दों को सच का प्रमाण माना करते थे, उन्हें ही अब संदेह की निगाहों से देखने लगे हैं। हालात बताते हैं कि मीडिया इस वक्त एक भयानक दौर से गुजर रहा है। ये दौर विश्वसनीयता के संकट से उपजा है। मीडिया की अहमियत पर भी सवालिया निशान लगा रहा है। यह खतरे की घंटी है, जिसकी गूंज देश भर में सुनाई दे रही है। मीडिया का एक बड़ा तबका इससे बेचैन है और हालात में बदलाव चाहता है।

मीडिया की यह दुर्गति क्यों हुई? इसे समझने के लिए मीडिया के उस सुनहरे अतीत को समझना जरूरी है। आजादी की लड़ाई के दौरान जब अखबारों की शुरुआत हुई, तब उनका मकसद केवल और केवल गुलामी की जंजीरें तोड़ने के लिए अलख जगाना, लोगों को एकजुट करना और जुल्मी को बेनकाब करना था। उस दौर में पत्रकारिता केवल एक मिशन थी। ये वह समय था, जब अखबार निकालने या पत्रकारिता करने का मतलब खुद को संकट में डालना था। जब्ती, जेल, कोड़े बरसाने जैसी सजायें आम थी। सम्पादकों व पत्रकारों ने ब्रिटिश हुकूमत के ऐसे तमाम जुल्मों के बावजूद न तो कभी समझौते किये और न सच से दूर हुए। पत्रकारों पर होने वाले जुल्मों और उनकी कुर्बानियों ने देशवासियों के दिल और दिमाग में यह तथ्य कूट कूटकर भर दिया था कि पत्रकार न डरते हैं और न बिकते हैं। 21 वीं सदी तक अखबार उसी भरोसे का प्रतीक बने हुए थे। हालांकि आजादी का मकसद पूरा होने के बाद अखबारों के उद्देश्य बदल गये। 21वीं सदी की दस्तक होने तक नये-नये अखबारों के साथ देश में इलेक्ट्रानिक मीडिया का उदय होना शुरु हुआ। काफी ऐसे लोग भी मीडिया में उद्योगों की तरह निवेश करने के लिए आगे आये, जिनका उद्देश्य कोई मिशन चलाना नहीं, बल्कि मुनाफा कमाना था। लिहाजा, धीरे धीरे मिशन की जगह व्यवसाय ने ले ली, लेकिन यह व्यवसाय के रूप में भी बहुत सम्मानित और विश्वास से जुड़ा काम था। एक ऐसा व्यवसाय जो किसी मिशन की तरह सच को सामने लाने का काम करता था। सच चाहे लाख पर्दों के पीछे छिपा हो। तरह - तरह के जोखिम उठाकर पत्रकार सच को बेनकाब करते आये हैं। सच में मिलावट करना, आधे सच को सच की तरह पेश करना और सच को छिपाकर बैठ जाना इसके उसूलों के खिलाफ है। पत्रकारिता ने एक व्यवसाय होकर भी अपनी पवित्रता को बनाये रखा, भले ही इसके लिए हर साल कई पत्रकारों को मौत को गले लगाना पड़ा हो।

दुनिया के 180 देशों में मीडिया और पत्रकारों की स्थिति का अध्ययन करने वाली प्रमुख संस्था रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स के आंकड़े गवाह हैं कि भारत का मीडिया और यहां के पत्रकार सच के लिए लड़ने और अपनी जान की बाजी लगाने से पीछे नहीं हटते। इसकी रिपोर्ट बताती है कि पिछले एक दशक में भारत में माफिया, भ्रष्टाचार आदि के खिलाफ लिखने वाले 28 पत्रकारों की उनके काम के दौरान हत्या कर दी गई। इस संस्था की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत को पत्रकारों के लिए सबसे खतरनाक देशों में गिना जाता है। आज पत्रकारिता में एक तरफ जान जोखिम में डालने का जुनून है और दूसरी तरफ भरोसे का संकटा मीडिया आज इन दो तरह की विरोधाभाषी स्थितियों से गुजर रहा है।

संकट के इस दौर में उन्हें भी संदेह की निगाहों से देखा जाने लगा है, जो मीडिया घराने और पत्रकार कभी सच से मुंह नहीं मोड़ते और खबरों पर समझौते नहीं करते। आवाम और सच के लिए लड़ने वाले अखबारों पर होने वाले जुल्मों को भी पूरे देश ने अपनी आंखों से देखा है। जेन-जी के आंदोलन के दौरान मीडिया ने ऐसे दुर्दिन देखे हैं, जिनकी कभी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। आंदोलनकारी युवाओं ने मेन स्ट्रीम मीडिया के एक बहुत बड़े वर्ग को नकार दिया। इन युवाओं ने मीडिया के इस वर्ग की उपयोगिता को भी खारिज कर दिया। न तो उसे अपने बीच आने दिया और न ही खबरों के लिए उनकी ओर देखा। इन आंदोलनकारी युवाओं को उस मीडिया से इंसाफ भी नहीं मिला। मीडिया के इस वर्ग ने युवाओं की खबरों को जगह भी नहीं दी यानि उन्हें गायब कर दिया। इसके बावजूद युवाओं का आंदोलन सफल रहा। इस आंदोलन के दौरान मेन स्ट्रीम मीडिया के तमाम लोग बुरी तरह एक्सपोज हो गये। उनकी विश्वसनीयता पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। यह मीडिया के लिए चिंता का विषय है।

चिंतन

मेघ, माटी और मन का उत्सव : सावन

डॉ स्नेहलता श्रीवास्तव

जीवन में ऋतुएँ आती हैं और चली जाती हैं, किंतु सावन हर बार लौटता है। वह हर वर्ष नए मेघों के साथ आता है और अपने साथ सदियों पुरानी स्मृतियाँ भी ले आता है। उसके आते ही भीगी माटी की गंध में लोकगीतों के स्वर घुलने लगते हैं, वृक्षों की डालियों पर झूले डलने लगते हैं और मन के किसी कोने में सोया हुआ मोर, पंख पसार देता है। सावन का यही जादू उसे केवल प्रकृति के साथ ही भारतीय चेतना का एक जीवंत उत्सव बना देता है। जेठ की झुलसाती दोपहरों और आषाढ़ की प्रथम फुहारों के बाद जब आकाश की देहरी पर श्यामल मेघों की प्रथम झाँकी सजती है, तब लगता है कि प्रकृति के सूखे अधरों पर गीत मुख्य हो रहा है। मेरे लिए सावन केवल एक ऋतु नहीं, स्मृतियों का विस्तृत लोक है। यह अपने साथ बचपन के उन दिनों को ले आता है, जब घर के कच्चे आँगन में वर्षा की पहली बूँद गिरते ही मिट्टी से ऐसी गंध उठती थी, मानो धरती अपनी अंतरतम कथा कह रही हो। आज भी वह सोंधी महक किसी अदृश्य सेतु की तरह वर्तमान को अतीत से जोड़ देती है। आँखों के सामने बरसों पुराने दृश्य तैरने लगते हैं-आम की डालियों पर पड़ते झूले, भीगे आकाश के नीचे गूँजती कजरियाँ, मेहंदी रचाती मोहल्लेभर की जीजी,भाभी और सखियां, कोकिला व्रत करती माँ और काकियाँ, और दूर कहीं मयूर का पुकारता स्वर।

भारतीय जीवन में शायद ही कोई ऋतु या माह ऐसा आत्मीय हो, जितना सावन। वसंत को ऋतुराज कहा गया है, पर भारतीय जनमन का वास्तविक राग तो सावन ही है। वसंत आँखों को मुग्ध करता है तो सावन हृदय को सरसा देता है। वसंत में पुष्प खिलते हैं, सावन में स्मृतियाँ। जब काली घटा आकाश को आच्छादित कर लेती हैं, और हवाओं में जल की गंध घुलने लगती है, तब प्रकृति का समूचा व्यक्तित्व बदल जाता है। धूल से अटे वृक्ष- लताएँ स्नान कर हरित आभा पा जाते हैं, खेतों की मेड़ें हरी चुनर ओढ़ लेती हैं। नदी का स्वर गंभीर हो उठता है। पहाड़ों की नीरवता में भी जैसे कोई भीतरी संगीत बजने लगता है। वर्षा की बूँदें जब वृक्षों की पत्तियों पर पड़ती हैं, तो लगता है मानो सृष्टि के किसी अदृश्य वाद्य पर ईश्वर स्वयं तार छेड़ रहा हो।

हमारे लोकजीवन में तो सावन का रूप और भी मनोहारी है। नगरों के कृत्रिम शोर से दूर गाँवों में यह महीना आज भी उत्सव बनकर आता है। पीपल और आम्रवृक्षों की शाखाओं पर पड़े झूले की पेंगों के साथ मन भी ऊर्ध्वगामी हो उठता है। कजरी और मल्हार के स्वर लोकमानस में सामूहिक स्मृति और मधुर ऊर्जा घोल देते हैं - उनमें विरहिणी का दर्द भी होता है और मिलन की आशा भी। उनमें वर्षा की रिमझिम भी है और मन की मधुर अभिव्यक्ति भी। सावन का भारतीय नारी-जीवन से तो एक विशेष संबंध रहा है। नवविवाहिता के लिए यह सावन मायके लौटने का निमंत्रण ही है। हरी चूड़ियों की खनक, हथेलियों पर सजी मेहंदी, झूलों की पेंग और सखियों का साथ-इन सबके बीच सावन स्त्री-मन की उन कोमल आकांक्षाओं को स्वर देता है, जिन्हें सामान्य दिनों में अभिव्यक्ति नहीं मिल पाती।

भारतीय अध्यात्म ने सावन को विशेष महिमा प्रदान की है। माँ कहती थीं कि यह शिव का मास है - उस महायोगी का, जिसने स्वयं विष पीकर संसार को अमृत दिया।

आज भी शिवालयों में उमड़ती आस्था की धारा यह बताती है कि भारतीय संस्कृति में धर्म केवल पूजा-पद्धति नहीं, बल्कि जीवन के प्रति कृतज्ञता का भाव है। कांवड़ियों के समूह में बहती श्रद्धा और जलाभिषेक में व्यक्त समर्पण मनुष्य को उसकी आध्यात्मिक जड़ों से जोड़ते हैं। सावन का सबसे बड़ा चमत्कार यह है कि वह मनुष्य को प्रकृति के निकट ले आता है। आधुनिक जीवन की आपाधापी में हम भले ही कंक्रीट के जंगलों में घिर गए हों, पर पहली वर्षा होते ही भीतर का आदिम मन आज भी जाग उठता है - खिड़की पर ठिठककर वर्षा को देखना, भीगी मिट्टी की गंध को श्वासों से मन में भर लेना, दूर तक फैले मेघों को निहारना - मुझे लगता है, ये सब क्रियाएँ नहीं, आत्मा की स्वाभाविक प्रतिक्रियाएँ हैं। मानो मनुष्य अपने मूल स्रोत को पहचान रहा हो। सावन एक बड़े जीवन - सत्य का उद्घाटन करता है कि केवल तपन सत्य नहीं है। जेठ की दाह चाहे जितनी प्रचंड हो, अंततः उसे सावन के आगे झुकना ही पड़ता है। सूखी धरती के भाग्य में भी हरियाली होती है। प्रतीक्षा का प्रतिफल अवश्य मिलता है। शायद इसी कारण भारतीय लोक ने सावन को आशा का पर्याय माना है। सावन की हरियाली केवल वन-उपवनों में ही नहीं उतरती, वह मनुष्यों के संबंधों में भी पल्लवित होती है। हरियाली अमावस्या प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का भाव जगाती है, हरियाली तीज स्त्री-हृदय के उल्लास और सौंदर्य-बोध का उत्सव बनती है, नागपंचमी समस्त जीव-जगत के प्रति सम्मान का संदेश देती है, श्रावणी आत्मपरिष्कार और ज्ञान-परंपरा के नवीकरण का स्मरण कराती है तथा रक्षाबंधन स्नेह और विश्वास के पवित्र सूत्र को पुनः दृढ़ करता है। इन पर्वों के माध्यम से सावन जीवन, प्रकृति और रिश्तों-तीनों को एक साथ सरस और स्निग्ध बना देता है।

सावन बिदा लेते हुए स्मृति-चिह्न के रूप में केवल हरियाये खेत और समृद्ध नदियाँ ही नहीं छोड़ता; वह मन में एक मधुर अनुगूँज भी छोड़ जाता है। माटी की गंध, गीतों के स्वर, मंदिरों की घंटियाँ, मेघों की छाया और ककड़ी भुट्टे - सब स्मृति में लंबे समय तक जीवित रहते हैं। कभी अनुभव होता है कि सावन बाहर कहीं नहीं रहता; वह तो मन के भीतर ही बसा रहता है। इसी कारण भारतीय चेतना ने सावन को कभी मात्र एक मास नहीं माना। वह मेघों का नहीं, मनुष्यता का मौसम है; माटी का नहीं, स्मृतियों का विस्तार है; वर्षा का नहीं, जीवन के प्रति अटूट विश्वास का उत्सव है। सावन सचमुच मेघ, माटी और मन का वह शाश्वत उत्सव-राग है, जो युगों से भारतीय आत्मा में गूँज रहा है और जिसकी प्रतिध्वनि कभी क्षीण नहीं होती।

नजरिया

नाग पंचमी : आस्था के फन पर पर्यावरण चेतना

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

योगेश कुमार गोयल
मोबाइल: 9416740584.

भारतीय संस्कृति की सबसे विशिष्ट विशेषताओं में एक यह है कि यहां प्रकृति को केवल संसाधन नहीं बल्कि जीवन का अभिन्न और पूजनीय अंग माना गया है। नदियों, पर्वतों, वृक्षों, पशु-पक्षियों और यहां तक कि धरती के भीतर रहने वाले जीवों के प्रति भी श्रद्धा व्यक्त करने की परंपरा रही है। इसी व्यापक प्रकृति-दृष्टि का विशिष्ट पर्व है नाग पंचमी, जो 17 अगस्त को श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि के अवसर पर मनाई जा रही है। यह पर्व नागों के प्रति धार्मिक आस्था व्यक्त करने के साथ-साथ मनुष्य और वन्यजीवों के बीच सह-अस्तित्व की भारतीय अवधारणा को भी सामने लाता है। हिंदू धार्मिक परंपरा में नागों का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण माना गया है। भगवान शिव के गले में सुशोभित नाग हों, भगवान विष्णु की शेषनाग पर विराजमान दिव्य छवि हो अथवा समुद्र मंथन में वासुकि नाग की भूमिका, भारतीय पौराणिक आख्यानों में नाग बार-बार शक्ति, संरक्षण, रहस्य, अनंतता और प्रकृति की अदृश्य ऊर्जा के प्रतीक के रूप में सामने आते हैं। यही कारण है कि नाग पंचमी पर नाग देवताओं की पूजा का विशेष विधान बताया गया है। कहीं नागों की प्रतिमाओं पर हल्दी, कुमकुम, अक्षत और पुष्प अर्पित किए जाते हैं तो कहीं मिट्टी अथवा कुश से

नाग की आकृति बनाकर उसका पूजन किया जाता है। अलग-अलग क्षेत्रों में अनुष्ठानों की विधियां भिन्न हो सकती हैं लेकिन श्रद्धा का भाव लगभग समान है।

नाग पूजा की परंपरा कितनी प्राचीन है, इसका संकेत अनेक पौराणिक ग्रंथों और लोककथाओं में मिलता है। नागवंश की उत्पत्ति का संबंध महर्षि कश्यप और उनकी पत्नी कद्रू से जोड़ा गया है। नागों को पाताल लोक का निवासी बताया गया है। इसे आधुनिक भौगोलिक अवधारणा के रूप में देखने के बजाय प्राचीन भारतीय ब्रह्मांड-कल्पना के संदर्भ में समझना अधिक उचित है। इन आख्यानों में नाग केवल भय उत्पन्न करने वाले जीव नहीं हैं बल्कि वे प्रकृति की ऐसी शक्तियों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिन्हें मनुष्य पूरी तरह नियंत्रित नहीं कर सकता और जिनके साथ संतुलन बनाकर रहना आवश्यक है। नाग पंचमी की विशेषता केवल इतनी नहीं है कि इसमें नागों की पूजा की जाती है। इसकी सबसे बड़ी सांस्कृतिक विशेषता यह है कि यह मनुष्य को उस जीव के प्रति भी सम्मान करना सिखाती है, जिससे वह स्वाभाविक रूप से भयभीत रहता है। सांप को देखकर मनुष्य की पहली प्रतिक्रिया अक्सर डर होती है लेकिन भारतीय परंपरा ने इसी भय को श्रद्धा में बदलने का प्रयास किया। नाग को देवता मानने की परंपरा इस विचार को मजबूत करती है कि प्रकृति में प्रत्येक जीव का अपना महत्व है और मनुष्य को अपनी सुरक्षा के साथ-साथ अन्य जीवों के अस्तित्व का भी सम्मान करना चाहिए।

भारत के विभिन्न हिस्सों में नागों को केवल पौराणिक पात्र के रूप में नहीं बल्कि कुलदेवता, ग्रामदेवता, क्षेत्रपाल और स्थान देवता के रूप में भी पूजा जाता रहा है। अनेक स्थानों के नाम भी नाग परंपरा से जुड़े दिखाई देते हैं। अनंतनाग, शेषनाग, नागपुर, नागालैंड और भागसूनाग जैसे नाम भारतीय सांस्कृतिक स्मृति में नागों की गहरी उपस्थिति की ओर संकेत करते हैं। इस पर्व का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पक्ष इसका पर्यावरणीय महत्व है। आधुनिक विज्ञान ने यह स्पष्ट किया है कि सांप पारिस्थितिकी तंत्र के महत्वपूर्ण घटक हैं। खेतों और ग्रामीण क्षेत्रों में पाए जाने वाले अनेक सांप चूहों तथा अन्य कृंतकों को खाते हैं। चूहे फसलों, अनाज और खाद्य भंडार को काफी नुकसान पहुंचाते हैं। ऐसे में सांप प्राकृतिक रूप से उनकी संख्या नियंत्रित करने में योगदान देते हैं। खाद्य-श्रृंखला में उनकी भूमिका जैविक संतुलन बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है। सांपों की किसी प्रजाति के समाप्त होने का प्रभाव केवल उसी प्रजाति तक सीमित नहीं रहता बल्कि पूरे पारिस्थितिक तंत्र पर पड़ सकता है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

केनरा बैंक ने मनाया स्वतंत्रता दिवस का जश्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। केनरा बैंक ने शनिवार को 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर समावेशी भारत बनाने का अपना संकल्प दोहराते हुए आज़ादी का जश्न मनाया। बैंक के हेड ऑफिस में विशेष समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत वंदे मातरम् से हुई। प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी ब्रजेश कुमार सिंह तथा बैंक के कार्यपालक निदेशकों ने तिरंगे गुब्बारे छोड़े। इस मौके पर ब्रजेश कुमार सिंह ने कहा, 'स्वतंत्रता के साथ भारत का भविष्य बनाने की बड़ी ज़िम्मेदारी भी है। विकसित भारत निर्माण की राह पर आगे बढ़ते हुए, हमारी असल कामयाबी इस पैमाने पर मापी जाएगी कि हम अपने हर नागरिक को आगे बढ़ने का समान मौका दे पाए हैं या नहीं। शिक्षा, वित्तीय समावेशन और सामुदायिक कल्याण पर ध्यान देते हुए, केनरा बैंक अधिक न्यायसंगत और सशक्त भारत बनाने में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है।'

जश्न के दौरान, केनरा बैंक ने छात्राओं के लिए 'केनरा विद्या ज्योति स्कॉलरशिप' की घोषणा की। उसने आराइके चैरिटेबल ट्रस्ट को 4.22 लाख रुपए का अनुदान दिया, ताकि एक वृद्धाश्रम के लिए 75 रेक्सिन बेड और 50 खाट उपलब्ध कराई जा सकें। बैंक ने दिव्यांगजनों के लिए पांच इलेक्ट्रिक व्हीलचेयर उपलब्ध कराने के वास्ते समर्थनम ट्रस्ट को 4.44 लाख रुपए का अनुदान भी दिया।

सात कंपनियां इस सप्ताह आईपीओ से 6,400 करोड़ रुपये जुटाने की तैयारी में

नई दिल्ली/भाषा। आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) बाजार में एक बार फिर हलचल बढ़ने वाली है। इस सप्ताह सात कंपनियां आईपीओ के जरिये सामूहिक रूप से करीब 6,400 करोड़ रुपये जुटाने की तैयारी में हैं। इनमें ब्लैकस्टोन समर्थित होराइजन इंडस्ट्रियल पार्क्स और ललिता ज्वेलरी मार्ट भी शामिल हैं। होराइजन इंडस्ट्रियल पार्क्स और ललिता ज्वेलरी मार्ट के आईपीओ 17 अगस्त को खुलेंगे। होराइजन इंडस्ट्रियल पार्क्स 2,600 करोड़ रुपये का आईपीओ ला रही है, जिसका मूल्य दायरा 57 रुपये से 60 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी आईपीओ से जुटाई गई पूरी राशि का इस्तेमाल कर्ज चुकाने में करेगी।

वहीं, ललिता ज्वेलरी मार्ट ने अपने 1,700 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए 190 रुपये से 201 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। इसमें 1,200 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी किए जाएंगे। साथ ही इसमें 500 करोड़ रुपये तक की बिक्री पेशकश (ओएफएस) भी शामिल है। इसके बाद 18 अगस्त को शंकेश ज्वेलर्स और सनशाइन पिक्चर्स के आईपीओ खुलेंगे। शंकेश ज्वेलर्स का निर्गम 367 करोड़ रुपये का है और इसका मूल्य दायरा 88 रुपये से 93 रुपये प्रति शेयर है। सनशाइन पिक्चर्स 282 करोड़ रुपये जुटाएगी और इसके शेयर का मूल्य दायरा 342 रुपये से 360 रुपये तय किया गया है। बाद में 19 अगस्त को गाजा अल्टरनेटिव एसेट मैनेजमेंट का 550 करोड़ रुपये का आईपीओ खुलेगा। कंपनी गाजा कैपिटल ब्रांड के तहत काम करती है। आईपीओ में 450 करोड़ रुपये तक के नए शेयर और 100 करोड़ रुपये तक की बिक्री पेशकश शामिल है। शेयर का मूल्य दायरा 152 रुपये से 160 रुपये प्रति शेयर रखा गया है। इसके बाद 20 अगस्त को टेम्पसेंस इंस्ट्रूमेंट्स (इंडिया) का आईपीओ खुलेगा। कंपनी 95 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी करेगी, जबकि 1.85 करोड़ शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) भी इसमें शामिल होगी। ऑगमॉन्ट एंटरप्राइजेज का 825 करोड़ रुपये का आईपीओ 21 अगस्त को खुलेगा। कुल मिलाकर ये सातों कंपनियां आईपीओ के जरिये 6,400 करोड़ रुपये जुटाने की उम्मीद कर रही हैं। उद्योग के आंकड़ों के अनुसार, इन आईपीओ के साथ 2026 में अब तक सार्वजनिक निर्गम लाने वाली कंपनियों की संख्या बढ़कर 55 होने की उम्मीद है। कंपनियां आईपीओ से प्राप्त धन का इस्तेमाल मुख्य रूप से कारोबार विस्तार, पूंजीगत व्यय, कर्ज भुगतान और अन्य कंपनी कामकाज के लिए करती हैं।

बांग्लादेश ने ऑस्ट्रेलिया को उसकी धरती पर हराकर इतिहास रचा

डार्विन (ऑस्ट्रेलिया)/एपी। बांग्लादेश ने रविवार को यहां दुनिया की नंबर एक टीम ऑस्ट्रेलिया को पहले टेस्ट क्रिकेट मैच के चौथे दिन ही नौ विकेट से करारी शिकस्त देकर इतिहास रच दिया। यह उसकी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसकी धरती पर पहली और कुल मिलाकर दूसरी जीत है। बांग्लादेश की पहली पारी में महत्वपूर्ण अर्धशतक बनाने वाले मेहदी हसन मिराज ने गेंदबाजी में भी कमाल दिखाया और ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में पांच विकेट लेकर उसे 284 रन पर आउट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस तरह से ऑस्ट्रेलिया केवल 56 रन की बढ़त ही हासिल कर पाया।

बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शंटो ने कहा, ''किसी भी प्रारूप में बांग्लादेश की यह अब तक की सबसे बड़ी जीत है। हम भविष्य में कुछ खास करेंगे।'' बांग्लादेश में भी इस जीत का जमकर जश्न मनाया जा रहा है। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने भी शंटो को वीडियो कॉल करके टीम को बधाई दी। शंटो ने कहा, ''हमारे लिए यह विशेष पल है और मुझे पूरा विश्वास है कि स्वदेश में भी लोग इसका जश्न मना रहे होंगे। हमें ऐसे पल बहुत कम मिलते हैं इसलिए हमें इसका पूरे दिन भर जश्न मनाना चाहिए।''

कैमरन ग्रीन ने अपना तीसरा टेस्ट शतक और ऑस्ट्रेलिया में अपना पहला शतक बनाया। उन्होंने 201 गेंदों में 104 रन बनाए लेकिन इससे ऑस्ट्रेलियाई पारी की हार ही टाल पाया। बांग्लादेश के सामने केवल 57 रन का लक्ष्य था लेकिन उसकी शुरुआत अच्छी नहीं रही। जोश हेज़लवुड ने पहली पारी में शतक लगाने वाले तंजीद हसन को शून्य पर आउट कर दिया, लेकिन शादमान इस्लाम (नाबाद 25) और मोमिनुल हक (नाबाद 30) ने संयम बनाए रखते हुए अपनी टीम को 14.2 ओवरों में लक्ष्य तक पहुंचा दिया। बांग्लादेश की यह जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि उसने मैच में शुरू से लेकर आखिर तक दबदबा बनाए रखा। ऑस्ट्रेलिया अपनी पहली पारी में केवल 198 रन ही बना सका, जिसमें स्टीव स्मिथ ने सर्वाधिक 71 रन बनाए। इसके बाद बांग्लादेश ने पिच के सपाट होने का फायदा उठाते हुए 426 रन बनाए और 228 रन की मजबूत बढ़त हासिल कर ली।

ग्रीन के शानदार शतक के बावजूद ऑस्ट्रेलिया पहली पारी के खराब प्रदर्शन से नहीं उभर पाया। इस तरह से बांग्लादेश ने ऐतिहासिक जीत हासिल की। इससे पहले उसने 2017 में ढाका में ऑस्ट्रेलिया को हराया था। ऑस्ट्रेलिया के लिए यह हार उसके 149 साल के टेस्ट इतिहास में घर पर हुई सबसे अपमानजनक पराजय में से एक है। इससे अब चयनकर्ताओं पर 22 अगस्त से क्रींसलैंड राज्य के मैकाय में शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट से पहले टीम में बदलाव करने का काफी दबाव होगा।

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने कहा, मुझे लगता है कि जब भी इस तरह का कोई मैच होता है, तो आप हमेशा अगले मैच के लिए अपनी टीम की रणनीति पर विचार करते हैं। वापसी करने में हमारा रिकार्ड अच्छा है। सभी खिलाड़ी एक साथ मिलकर इस मैच के बारे में अच्छी तरह सोचेंगे और यह पता लगाएंगे कि हम कहां सुधार कर सकते हैं।''

दपरे ने सुरक्षा, गति, राजस्व और यात्री सेवाओं में कई उपलब्धियां हासिल कीं

हुब्बली/दक्षिण भारत। दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) ने देश का 80वां स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर महाप्रबंधक पी अनंत ने स्वतंत्रता संग्राम के योद्धाओं को नमन किया। उन्होंने देश के विकास में दपरे की उपलब्धियों का उल्लेख किया। महाप्रबंधक ने कहा कि ट्रेनों के संचालन में सुरक्षा को सबसे ज़्यादा प्राथमिकता दी गई है। साथ ही, इंफ्रास्ट्रक्चर विकास और कनेक्टिविटी में भी काफी बढ़ोतरी हुई है। दपरे ने 83 किमी नए ट्रैक को शुरू कर, किसी भी गंभीर ट्रेन दुर्घटना के बिना रिकॉर्ड बनाया है। 22 नई ट्रेनें शुरू की गईं, 42 को नियमित किया गया और 125 ट्रेनों की गति बढ़ाई गई, जिससे 3,335 मिनट की बचत हुई। दपरे ने 31.3 मिलियन टन की रिकॉर्ड माल ढुलाई और 5,531 करोड़ रुपए का सकल राजस्व हासिल किया। सोलर क्षमता 8.4 एमडब्ल्यूपी तक पहुंच गई और 212 में से 191 ट्रेन जोड़ियों को इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन में बदला गया है।

महाप्रबंधक ने पूरे दपरे परिवार की समर्पित कोशिशों की सराहना की और बताया कि ज़ोन ने जनवरी-जुलाई के दौरान सुरक्षा, बुनियादी ढांचे के विकास, ट्रेन संचालन, यात्री सेवाओं, राजस्व सृजन, कर्मचारियों के कल्याण और स्थिरता के क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने ऊंचे सुरक्षा मानक बनाए रखने के लिए स्टाफ़ की तारीफ़ की। इस मौके पर डीआरएम हुब्बली बेला मीना, दपरे के विभागों के प्रमुख अधिकारी, मुख्यालय और हुब्बली मंडल के वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे।

रुक्मिणी वसंत ने 'टॉक्सिक' को बताया बिल्कुल अलग

मुंबई/एजेन्सी

मुंबई में टॉक्सिक: अ फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स के म्यूज़िक लॉन्च पर रुक्मिणी वसंत ने फिल्म का हिस्सा बनने और मेलिसा की दुनिया में कदम रखने के अपने एक्सपीरियंस के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि यह प्रोजेक्ट उनके अब तक के किए गए काम से बिल्कुल अलग है।टॉक्सिक को अपने लिए खास बताते हुए रुक्मिणी ने कहा, टॉक्सिक मेरे लिए, और इस फिल्म का हिस्सा रहे हर इंसान के लिए बेहद स्पेशल फिल्म है। ऐसी बहुत सी चीज़ें हैं जिनके बारे में मैं बात कर सकती हूं। जिस दुनिया में हम रहते हैं, उसका एक्सपैंसिव होना, फिल्म का स्केल पहली बार जब मैंने इसके बारे में सुना था, तभी इसका स्केल मुझे बहुत इम्प्रेस कर गया था।हालांकि, रुक्मिणी ने बताया कि उन्हें फिल्म की तरफ सिर्फ इसका स्केल और ग्रैंज्योर ही नहीं खींच लाया, बल्कि इसके किरदारों की कॉम्प्लेक्सिटी ने भी उन्हें काफी एक्साइट किया। उन्होंने कहा, फिल्म के

स्केल और इस दुनिया की ग्रैंज्योर के साथ-साथ, हर किरदार का ग्रे शेड भी बहुत शानदार है। हर किरदार इतना रॉ और इतना ह्यूमन है। रुक्मिणी ने बताया कि वह यह जानने को लेकर काफी एक्साइटेड थीं कि टॉक्सिक की इस बड़ी दुनिया में मेलिसा की जगह क्या है और उसका बाकी किरदारों के साथ कनेक्शन कैसा है। उन्होंने कहा, मैं यह डिस्कवर करने को लेकर बहुत एक्साइटेड थी कि मेलिसा इस दुनिया में कहां फिट होती है और बाकी किरदार एक-दूसरे से कैसे जुड़े हुए हैं। यह सब किस तरह आपस में जुड़ा हुआ है, इसे लेकर मैं बहुत क्यूरियस थी।

एक्टर ने यह भी माना कि यश के साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका मिलना उनके लिए एक्साइटिंग एक्सपीरियंस था। रुक्मिणी ने कहा, यश सर की फैनगर्ल होना और फिर उनके साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका मिलना, मेरे लिए यह भी एक बहुत शानदार एक्सपीरियंस था।जब रुक्मिणी से पूछा गया कि टॉक्सिक को उनके लिए इतना खास क्या बनाता है, खासकर तब जब ऑडियंस ने उन्हें इससे पहले ऐसी दुनिया या किरदार में नहीं देखा है, तो उन्होंने कहा, यह अब तक मैंने जो भी काम किया है, उससे बिल्कुल अलग है। मुझे लगता है कि इसमें एक यूनिकनेस है और उनके किरदार में एक खास तरह का जे ने से क्रा है। गीतू मोहनदास के डायरेक्शन में बनी टॉक्सिक: अ फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स में यश, नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, रुक्मिणी वसंत और हुमा कुरैशी नजर आएंगे। फिल्म 26 अगस्त 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

व्यवस्था बदलनी है तो पहले खुद बदलें : सुभाष घई

मुंबई/एजेन्सी

फिल्ममेकर सुभाष घई ने शुक्रवार को सोशल मीडिया के जरिए जेन-जी को खुद पर भरोसा करने, आत्मनिर्भरता और कड़ी मेहनत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जेन-जी इन सभी से समाज में बड़ा बदलाव लाना चाहता है। सुभाष घई ने इंस्टाग्राम पर तस्वीर पोस्ट की, जिसमें उन्होंने बताया कि जेन-जी लड़ाई-झगड़े की बजाय शांति को चुनना पसंद करती है। फिल्ममेकर ने लिखा, जब मैं अपने माता-पिता से कहूं कि मैं अपनी मेहनत और हुनर के दम पर आगे बढ़ूंगा तो मुझे अपनी जरूरतों या काम के लिए दूसरों से अतिरिक्त पैसे या मदद मांगने की जरूरत नहीं पड़ेगी। अगर हर इंसान ईमानदारी से अपने दम पर आगे बढ़ने की कोशिश करे तो भ्रष्टाचार अपने आप कम होने लगेगा।

उन्होंने लिखा, व्यवस्था के खिलाफ लड़ाई हमेशा बाहर से नहीं लड़ी जा सकती, क्योंकि हम भी इसी व्यवस्था का हिस्सा हैं। इसलिए सबसे पहले हमें खुद से शुरुआत करनी होगी और अपने देश का अच्छा चरित्र बनाना होगा। माता-पिता से बस यही निवेदन है कि अपने बच्चों पर भरोसा करें और उन्हें अपनी मेहनत और काबिलियत से आगे बढ़ने का मौका दें। सुभाष घई ने जोर दिया कि भ्रष्टाचार सिर्फ नेताओं की वजह से नहीं, बल्कि आम लोगों की गलत आदतों और समझौते की वजह से भी बढ़ता है। अगर हम सच में बदलाव चाहते हैं, तो हमें खुद ईमानदारी से शुरुआत करनी होगी।सुभाष घई की फिल्मों की बात करें तो वो कई सुपरहिट फिल्मों से जुड़े रहे हैं।

रेपका में स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। यहां के यलहंका स्थित रेल पहिया कारखाना (रेपका) में स्वतंत्रता दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। कारखाने के महाप्रबंधक मनोरंजन प्रधान ने तिरंगा राष्ट्रीय ध्वज फहराया। सभा को संबोधित करते हुए प्रधान ने कहा कि यह उन महान आत्माओं को याद करने का दिन है जिन्होंने हमारे देश की स्वतंत्रता के लिए निस्वार्थ भाव से अपने प्राणों का बलिदान दिया, साथ ही देशभक्ति, विविधता में एकता और सबसे महत्वपूर्ण, राष्ट्रप्रथम की मानसिकता के मूल्यों को याद करने का भी दिन है।

प्रधान ने बताया कि वित्त वर्ष 25-26 के दौरान 2,10,026 पहिए, 1,22,000 धुरे और 1,20,100 व्हीलसेट निर्मित किए गए और 1,16,561 व्हीलसेट भेजे गए, जो आरडब्ल्यूएफ के इतिहास में अब तक का सबसे अधिक आंकड़ा है। वित्त वर्ष 26-27 में जुलाई तक, 48.297 खरीद आदेश लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसई) को दिए गए, जिससे प्राथमिकता क्षेत्र को बढ़ावा मिला। इसके अलावा, उन्होंने बताया कि थर्ड एक्सल मशीनिंग लाइन जैसी प्रमुख परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है, जिससे एक्सल उत्पादन क्षमता में वृद्धि हुई है। कारखाने परिसर के भीतर बड़े पैमाने पर नवीनीकरण कार्य चल रहे हैं। समारोह में रेलवे सुरक्षा बल, एनसीसी के लड़के और लड़कियां, भारत स्काउट्स एंड गाइड्स द्वारा मार्च पास्ट शामिल था, जिसके बाद केंद्रीय विद्यालय के कर्मचारियों और छात्रों द्वारा एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

जुलूस

सावन के पवित्र महीने के दौरान इंदौर में आयोजित कांवड़ यात्रा के दौरान जुलूस में हिस्सा लेता एक श्रद्धालु।

शिल्पा शिरोडकर ने जॉनी लीवर को बताया सबसे खास

मुंबई/एजेन्सी

फिल्मों में कभी 'बाबूलाल' बनकर तो कभी 'छोटा छत्री' और 'असलम भाई' जैसे किरदारों में जॉनी लीवर ने ऐसा रंग जमाया कि फिल्मों में उनका रोल छोटा हो या बड़ा, दर्शकों का ध्यान उन पर जरूर जाता था। 14 अगस्त को वह अपना 69वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस खास मौके पर फिल्म इंडस्ट्री से उन्हें लगातार बधाइयां मिल रही हैं। इस कड़ी में अभिनेत्री शिल्पा शिरोडकर ने भी जॉनी लीवर को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। शिल्पा शिरोडकर ने इंस्टाग्राम पर जॉनी लीवर की एक तस्वीर साझा की और उनके जन्मदिन पर प्यार भरी शुभकामनाएं दीं। शिल्पा ने अपने कैप्शन में लिखा, ''हमारी इंडस्ट्री के सबसे खास लोगों में से एक, जॉनी लीवर को जन्मदिन की बहुत-बहुत बधाई। मैं हमेशा से आपके जबरदस्त टैलेंट की बहुत बड़ी फैन रही हूं, लेकिन स्क्रीन के अलावा, आप सबसे सच्चे, असली और सच में मजेदार इंसान हैं। भारतीय सिनेमा आपके जादू और हँसी के बिना सच में अधूरा है। भगवान आपको बहुत खुशी, अच्छी सेहत और कभी न खत्म होने वाली खुशियां दें। हैप्पी बर्थडे!'' जॉनी लीवर की जिंदगी भी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं रही है। फिल्मों में आने से पहले उनकी जिंदगी काफी संघर्षों से भरी थी। आर्थिक परेशानियों के चलते उन्होंने सातवीं क्लास के बाद पढ़ाई छोड़ दी थी और मुंबई की सड़कों पर पेन बेचने का काम करते थे। इसी दौरान वह फिल्मी सितारों की नकल करके लोगों को हंसाया करते थे। धीरे-धीरे उनकी मिमिक्री और कॉमेडी का हुनर लोगों के बीच पहचान बनाने लगा। उन्होंने स्टेज पर काम शुरू किया और आगे चलकर कल्याणजी-आनंदजी के साथ भी परफॉर्म किया। 1981 में उन्होंने अपनी नौकरी छोड़कर पूरी तरह स्टेज शो को अपना लिया। उनके शो ने ऐसी पहचान बनाई कि 1982 में अमिताभ बच्चन के साथ टूर करने का मौका भी मिला।

फिल्मों में जॉनी लीवर को पहला बड़ा मौका 'तुम पर हम कुर्बान' से मिला और इसके बाद 'दर्द का रिश्ता', 'जलवा', 'हीरो हीरालाल', 'तेजाब', 'किशन कन्हैया' और 'चालबाज' जैसी फिल्मों में वह नजर आए। 1988 में आई 'तेजाब' में उनका किरदार छोटा था, लेकिन धीरे-धीरे उनकी कॉमेडी फिल्मों का अहम हिस्सा बनने लगी। 1993 में आई 'बाजीगर' ने जॉनी लीवर के करियर को नई रफ्तार दी। फिल्म में बाबूलाल के किरदार में उन्होंने ऐसी कॉमेडी की कि वह दर्शकों के बीच खास तौर पर पहचाने जाने लगे। इसके बाद 'करण अर्जुन', 'राजा हिंदुस्तानी', 'जुदाई', 'इश्क', 'दीवाना मस्ताना', 'दुल्हे राजा', 'यस बॉस' और 'आवारा पागल दीवाना' जैसी फिल्मों में उन्होंने अलग-अलग अंदाज में दर्शकों का मनोरंजन किया। 'करण अर्जुन' के लिए उन्हें फिल्मफेयर के बेस्ट कॉमेडियन अवॉर्ड के लिए नॉमिनेशन मिला, जबकि 'राजा हिंदुस्तानी' में बलवंत सिंह के किरदार के लिए उन्हें स्क्रीन अवॉर्ड मिला।

रानी मुखर्जी को मिला मानद डॉक्टरेट की उपाधि

मुंबई/एजेन्सी

रानी मुखर्जी के करीब तीन दशक लंबे फिल्मी सफर में कई ऐसी फिल्में आई हैं, जिन्होंने सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर कमाई नहीं की, बल्कि लोगों के दिलों-दिमाग पर अपनी छाप छोड़ी। कभी 'कुछ कुछ होता है' की टीना बनकर उन्होंने दर्शकों को अपना दीवाना बनाया, तो कभी 'ब्लैक', 'मर्दानी' और 'हिचकी' जैसी फिल्मों में बिल्कुल अलग तरह के किरदार निभाकर अपनी अभिनय क्षमता दिखाई। अब रानी को सिने जगत में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए ऑस्ट्रेलिया की ला ट्रोब यूनिवर्सिटी ने उन्हें मानद डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया है। खास बात यह है कि शाहरुख खान के बाद रानी यह सम्मान पाने वाली दूसरी भारतीय फिल्मी हस्ती हैं। ऑस्ट्रेलिया की ला ट्रोब यूनिवर्सिटी ने उन्हें ऑनरेरी डॉक्टर ऑफ लेटर्स की मानद उपाधि से सम्मानित किया है। यह सम्मान उन्हें इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न (आईएफएफएम) 2026 के तहत फेडरेशन स्क्वायर में आयोजित एक खास समारोह में दिया गया। यूनिवर्सिटी ने यह सम्मान भारतीय सिनेमा में रानी के करीब तीन दशक

लंबे योगदान को देखते हुए दिया है।

सम्मान मिलने के बाद रानी मुखर्जी ने इसे अपनी जिंदगी के सबसे खास पलों में से एक बताया। उन्होंने कहा, ''जब मैं छोटी थी, तब बाकी बच्चों की तरह मेरा भी सपना था कि मैं अपने परिवार और अपने देश को गर्व महसूस करा सकूं। हालांकि उस वक्त मुझे यह नहीं पता था कि मैं ऐसा कैसे करूंगी। मुझे बस इतना मालूम था कि अगर मैं किसी एक काम में पूरी मेहनत करके अच्छी बनूं, तो मेरे माता-पिता खुश होंगे। आखिरकार सिनेमा मेरे लिए वह माध्यम बना, जिसके जरिए मैं इस सपने को पूरा कर सकी।''

रानी ने अपने करियर के फैसलों के बारे में भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा, ''मैं शुरुआत से ही जोखिम उठाने के लिए हमेशा तैयार रही। मैंने कभी आसान या सुरक्षित रास्ता नहीं चुना। मैं ऐसी फिल्मों को चुनती थी, जिनकी कहानी सबसे पहले मेरे दिल को छूती हो। मेरे लिए जरूरी रहा है कि कहानी ऐसी हो, जिसे बताया जाना चाहिए, जो लोगों को प्रेरित करे और उन्हें सशक्त बनाए। मेरे करियर में रोमांटिक फिल्मों के साथ-साथ सामाजिक मुद्दों पर बनी कई फिल्में भी शामिल हैं।''

अभिनेत्री ने कहा, ''मैं ऐसी कहानियों का हिस्सा बनना चाहती थीं, जिनमें महिलाओं को सिर्फ सहायक किरदार के रूप में नहीं, बल्कि अपनी सोच और फैसले रखने वाली मजबूत शख्सियत के तौर पर दिखाया जाए। अपने मन का काम करने के बदले ऐसा सम्मान मिलना आगे भी इसी दिशा में काम करने के लिए और प्रेरित करता है।''

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बीजेएस मैसूरु

मैसूरु के भारतीय जैन संगठन चैप्टर अध्यक्ष राजन बाघमार के नेतृत्व में विद्यारण्यपुरम स्थित अरुणोदया स्पेशल चिल्ड्रन स्कूल में स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। बच्चों को पाठ्य सामग्री व पानी की बोतलें वितरित की गई। इस अवसर पर पूर्व पार्षद एमवी रामप्रसाद ने झंडा रोहण किया। विद्यार्थियों ने देशभक्ति के गीतों की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर अरुणोदय स्पेशल चिल्ड्रन स्कूल के अध्यक्ष व पूर्व पार्षद एमवी रामप्रसाद, अध्यक्ष राजन बाघमार, राज्य सचिव प्रकाश गुलेच्छा, सचिव नवरतन पितलिया तथा सुनील पटवा, कोषाध्यक्ष मनोहर सांखला आदि उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भगवान महावीर जैन हॉस्पिटल मैसूरु

मैसूरु के शनिवार को जैन चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में नवनिर्मित भगवान महावीर जैन हॉस्पिटल के प्रांगण में पहली बार स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। सभी ट्रस्टियों ने मिलकर ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष कांतिलाल जैन, मुख्य सचिव प्रवीण जैन, कोषाध्यक्ष पारस जैन, सहसचिव घेवरचंद जैन, अशोक जैन, हंसराज जैन, भंवरलाल जैन, कांतिलाल जैन, मांगीलाल जैन, प्रकाश जैन एवं राजू जैन आदि उपस्थित थे।

'माता पिता के उपकारों को कभी नहीं भूला जा सकता'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां लालबाग रोड क्रॉस स्थित गोडवाड़ भवन में रविवार को मातृ-पितृ वंदना का बड़ा ही हृदयस्पर्शी कार्यक्रम भव्य रूप से आयोजित हुआ। गच्छाधिपति जैनाचार्य श्रीमद विजय नित्यानंद सूरीश्वर जी म. की निश्रा में चल रहे गुरु कृपा चातुर्मास में तप, जप, आराधना का सुंदर वातावरण बना हुआ है। वर्तमान सामाजिक एवं पारिवारिक परिवेश में घर में बुजुर्ग माता पिता के प्रति संतानों को कर्तव्यबोध करवाने के लिए आयोजित इस कार्यक्रम में राजस्थान के आबू रोड से आई भावना आचार्य ने माता पिता के उपकारों को अत्यंत भाववाही ढंग से प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि भगवान भी उसकी पूजा को स्वीकार नहीं करते जो अपने माता-पिता की सेवा नहीं करता। बच्चे हमेशा बड़ों के व्यवहार को देखकर सीखते हैं इसलिए घर में दादा-दादी का आदर सम्मान होता देखकर बच्चे भी अपने माता-पिता का आदर सम्मान करेंगे।

उन्होंने कहा, भारतीय संस्कृति में माता पिता को भगवान तुल्य माना गया है। वृद्धाश्रम भारतीय संस्कृति के लिए कलंक हैं। उन्होंने कहा कि अनाथ आश्रमों में गरीबों के बच्चे मिलते हैं तो वृद्धाश्रमों में अमीरों के मां बाप मिलते हैं। आचार्यश्री ने कहा, यदि मां नहीं हो तो कोई दुआ देने वाला नहीं मिलता और अगर पिता नहीं हो तो कोई हौंसला देने वाला नहीं मिलता। उन्होंने कहा कि भाई-भाई का रिश्ता कितना प्यारा है। अगर पिता नहीं हो तो बड़ा भाई पिता की तरह संभाल लेता है, अगर दोस्त नहीं हो तो भाई-भाई का दोस्त बन जाता है और आज तो स्थिति यह हो गई है कि अगर दुश्मन नहीं हो तो भाई ही भाई का दुश्मन भी बन जाता है। आज की पीढ़ी में अंकल आंटी याद रहे पर चाचा-ताऊ भूल गए, कुत्ते को घुमाना याद रहा पर गाय की रोटी भूल गए, बीवी-बच्चे याद रहे पर मां-बाप को भूल गए।

उन्होंने कहा कि बचपन में माता पिता हमारी उंगली पकड़ कर चलाते थे, जब वो बूढ़े हो जाएं तो हमारा फर्ज है हम उनका सहारा बनें। उन्होंने यह भी समझाया कि पेड़ बूढ़ा ही सही पर आँगन में लगा रहने दो, भले ही फल नहीं भी दे पर छाया तो देगा ही।

कार्यक्रम में भीमराज सुशीला देवी करबा वाला को उनके पुत्रों, बहुओं, बेटी और पौत्रों ने तथा कुमारपाल लक्ष्मी देवी सिसोदिया को उनके बेटे बहुओं और पौत्रों ने अक्षत से चरण वधावना किया, माता पिता को गले से लगाया, जीवन में हुई भूलों के लिए चरण स्पर्श कर माफी मांगी। भाई ने भाई से गले मिलकर जीवन भर साथ निभाने का संकल्प लिया। उनकी संवेदना और गीतों से उपस्थित आबाल, युवा और वृद्ध सभी की आँखें नम हो गई।

कार्यक्रम के प्रारंभ में गच्छाधिपतिजी ने मंगलाचरण फरमाया। मुनिश्री मोक्षानंद विजयजी म. ने मातृ-पितृ वंदना के कार्यक्रम को हृदयंगम करने की प्रेरणा दी। मंच संचालन करते हुए मनीष खाडीवाला ने किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तेयुप राजाजीनगर

तेरापंथी सभा ट्रस्ट, परिषद एवं महिला मंडल राजाजीनगर ने संयुक्त रूप से तेरापंथ भवन में ध्वजारोहण समारोह का आयोजन किया गया। सभा के पूर्व अध्यक्ष अशोक चौधरी ने ध्वजारोहण किया। इस मौके पर तेयुप अध्यक्ष राजेश देरासरिया एवं महिला मंडल अध्यक्षा सुनीता कोठारी आदि उपस्थित थे। तेयुप राजाजीनगर द्वारा श्रीरामपुरम गवर्नमेंट स्कूल में अध्यनरत 150 बच्चों एवं बच्चियों को नोटबुक्स वितरण की गई।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सेंट फिलोमिना शिक्षण संस्थान

बेंगलूरु के सेंट फिलोमिना शिक्षण संस्थान नागरभावी में स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में ध्वजारोहण करते हुए प्रोफेसर एम श्रीनिवास, महेंद्र मुणोत, रंगास्वामी, सतीश बी, डॉ भवानी जगदीश , शिवकुमार एवं अन्य।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

महावीर धर्मशाला

बेंगलूरु के महावीर धर्मशाला, वीवी पुरम में चल रहे जीवन संजीवनी चातुर्मास के अंतर्गत शनिवार को डॉ. समकित मुनिजी के सान्निध्य में स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर चेयरमैन रायचंद छाजेड़, प्रकाशचंद बेताला, रमेशचंद सिसोदिया, राजेश बोहरा, जम्बुकुमार दुग्गड़, गुलाबचंद पगारिया सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कर्नाटक हब्बा में बिहार

कर्नाटक सरकार द्वारा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बेंगलूरु स्थित विधान सौधा परिसर में आयोजित 'कर्नाटक हब्बा' में देश के विभिन्न राज्यों की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं की मनोहारी झलक देखने को मिली। इस अवसर पर पहली बार बिहार की ओर से कर्नाटक बिहारी समाज ने भाग लेते हुए बिहार की लोक-संस्कृति और धार्मिक परंपराओं को प्रस्तुत किया। कर्नाटक बिहारी समाज के अध्यक्ष प्रो. विनय कुमार यादव एवं संस्थापक उदय सिंह के नेतृत्व में समाज के सदस्यों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी।

पालनहल्ली सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालय ने मनाया स्वतंत्रता दिवस

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शनिवार को पालनहल्ली स्थित सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालय में 80वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास एवं गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया गया।

कार्यक्रम में गाँव के सभी गणमान्य नागरिकों, गाँव के प्रमुखों, एस.डी.एम.सी. अध्यक्ष एवं सदस्यों, विद्यार्थियों के अभिभावकों, विद्यालय के समस्त शिक्षक एवं कर्मचारीगण तथा विद्यालय के दानदाताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति से ओत-प्रोत भाषण, नृत्य एवं विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उपस्थित गणमान्य अतिथियों एवं अभिभावकों ने बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों तथा उपस्थितजनों के लिए पौष्टिक एवं स्वास्थ्यवर्धक नाश्ते की विशेष व्यवस्था हेमंत शर्मा परवाल परिवार द्वारा की गई। इसके साथ ही स्थानीय दूध डेयरी की ओर से बच्चों को मिठाई का वितरण भी किया गया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बीबीयूएल जैन विद्यालय एवं सीबी भंडारी जैन कालेज

बेंगलूरु के केआर रोड में स्थित एसएमजे ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन द्वारा संचालित बीबीयूएल जैन विद्यालय एवं सीबी भंडारी जैन कालेज ने स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। मुख्य अथिति के रूप में विंग कमांडर एमए अफराज एवं अतिथि विशेष रेखा नाहर ने झंडारोहण किया। इस मौके पर अध्यक्ष चम्पालाल भंडारी, प्रधानाचार्य फणी रमेश एस. व कालेज की प्रधानाचार्य उषा राव की उपस्थिति में विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। कोषाध्यक्ष अशोक भंडारी ने स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तेरापंथ महिला मंडल राजाजीनगर

तेरापंथ महिला मंडल राजाजीनगर की सदस्याओं ने बसवेश्वरनगर स्थित कन्या सुरक्षा स्तंभ पर शनिवार को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर ध्वजारोहण किया। अध्यक्ष सुनीता कोठारी ने सभी को शुभकामनाएं दी। मंडल द्वारा संरक्षित गवर्नमेंट स्कूल जुगनहली में बच्चों को स्टेशनरी एवं खाद्य पदार्थों का वितरण किया गया।इस अवसर पर मंत्री अरुणा कोठारी, कन्या मंडल से संयोजिका सिया सहलोत, सहसंयोजिका दिया बरलोटा सहित अनेक सदस्याएं उपस्थित थीं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

काक्सटा

बेंगलूरु के कर्नाटक एग्रीकल्चर वाटर पम्प एंड स्पेयर्स ट्रेडर्स एसोसिएशन (काक्स्टा) ने स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में एसपी रोड स्थित कार्यालय में ध्वजारोहण का कार्यक्रम आयोजित किया। इस मौके पर संघ के अध्यक्ष सुनील सुराणा, सचिव संजय भीमानी ने पूर्व अध्यक्ष तखतराज बाफना, कुशलराज जैन, पूर्व उपाध्यक्ष किरीट पटेल, फ़ाउंडर सदस्य सुमत सुराणा आदि का सम्मान किया। ध्वजा रोहण के पश्चात चैरिटी चेयरमैन विष्णु पटेल की अगुवाई में एसपी रोड एवं चिकपेट में अन्नदानम का आयोजन किया गया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अलसूर

बेंगलूरु के अलसूर स्थित जोगुपाल्या के नागरिकों ने ध्वजारोहण कर राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। इस मौके पर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने स्थानीय जनों के साथ प्रमुख चौराहों पर ध्वजारोहण किया तथा चामुंडेश्वरी माता की पूजा अर्चना की। इस प्रसंग पर दीपक सेठिया, सिद्धेश छाजेड़, जिनेन्द्र बांठिया आदि उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मानव सेवा समिति

बेंगलूरु के मानव सेवा समिति ने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर ब्रिगेड पैनारोमा अपार्टमेन्ट में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस रक्तदान शिविर में बेंगलूरु ब्लड बैंक के सहयोग से 31 यूनिट रक्त का संग्रह किया गया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**